पटना ●सोमवार, 09 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः240 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नरक में तब्दील केसरिया विधानसभा... 3 www. bordernewsmirror.com एकता कपूर ने बदल दी... 8

कोलकाता कांड

'अपनों' से घिरीं ममता, सांसद का इस्तीफा

सीएम को चिट्ठी लिखकर पार्टी नेताओं को कठघरे में किया खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने रविवार को कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में बंगाल सरकार के रवैये के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। रविवार को उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को चिट्ठी लिखकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इस चिट्ठी में जवाहर सरकार ने अपनी ही पार्टी के 'कुछ खास लोगों' पर दबंग रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कटघरे में ला कर खड़ा कर दिया है। जवाहर सरकार ने चिट्ठी में लिखा, मैं कुछ चीजें बर्दाश्त नहीं कर सकता जैसे भ्रष्ट अधिकारियों (या डॉक्टरों) को प्रमुख और शीर्ष पद मिलना। उन्होंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या के बाद बंगाल में विरोध प्रदर्शनों और बवाल के बाद इस्तीफा दिया है। जवाहर सरकार ने कहा है कि जनता का आक्रोश टीएमसी सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष को दर्शाता है।

'तानाशाही से लड़ने में कोई समझौता नहीं कर सकता'

अपनी चिट्ठी में जवाहर सरकार ने कई महीनों तक बनर्जी से निजी तौर पर बात न कर पाने पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, आपने मुझे तीन साल तक संसद में बंगाल के मुद्दों को उठाने का अवसर दिया इसके लिए मैं फिर से आभार व्यक्त करता हूं लेकिन अब मैं सांसद के रूप में बिल्कुल भी काम नहीं कर सकता हूं। केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता और तानाशाही से लड़ने में कोई समझौता नहीं कर सकता। टीएमसी को सलाह देते हुए जवाहर सरकार ने अपनी पार्टी से टकराव को दूर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विरोध मुख्य रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के बजाय न्याय और सजा दिलवाने के लिए हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पार्टी सही कदम नहीं उठाएगी तो सांप्रदायिक ताकतें इस राज्य पर कब्जा कर लेंगी। जवाहर सरकार ने राजनीति से पूरी तरह हटने की अपनी मंशा की घोषणा करते हुए कहा, मैं जल्द ही दिल्ली जाऊंगा और राज्यसभा के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपूंगा और खुद को राजनीति से पूरी तरह से अलग कर लूंगा। जवाहर सरकार के इस्तीफा के फैसले पर कुणाल घोष ने कहा, मैं जवाहर सरकार के व्यक्तिगत सिद्धांत की आलोचना नहीं करूंगा। यह उनका फैसला है। वे अपने फैसले ले सकते हैं।

कोर्ट में सीबीआई ने अब खोली संदीप घोष की पोल

- **डॉक्टरों की भर्ती और ठेके में धांधली का लगाया आरोप**

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में सीबीआई ने कोर्ट में बताया है कि पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने अस्पताल में डॉक्टरों की भर्ती में भी धांधली की थी और अपनी पसंद को डॉक्टरों की नियुक्ति करवाई थी। इसके अलावा उन पर नियमों का उल्लंघन करके अस्पताल के ठेके देने का भी आरोप एजेंसी ने लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक हाउस स्टाफ की नियुक्ति के लिए संदीप घोष मनमाने तरीके से इंटरव्यू करवाते थे। इसमें इंटरव्यू के लिए कोई पैनल ही नहीं रहता था। नियुक्ति से पहले इंटरव्यू के फाइनल नंबर ही जारी किए जाते थे। एजेंसी का आरोप है कि संदीप घोष खुद हाउस स्टाफ की लिस्ट बनाते थे जिसमें कई योग्य ट्रेनी डॉक्टरों को बाहर कर दिया जाता था।

विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार अमरीका पहुंचे राहुल

- भारतीय प्रवासियों और छात्रों से करेंगे मुलाकात, 10 को वॉशिंगटन डीसी का भी दौरा

डलास (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अमेरिका के डलास पहुंच गए हैं। यह विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी का पहला अमेरिका दौरा है। राहुल यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और यहां के छात्रों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। इससे पहले ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने राहुल के अमेरिका जाने की खबर साझा की थी। राहुल डलास के बाद 9 सितंबर को टेक्सास और 10 सितंबर को वॉशिंगटन डीसी का भी दौरा करेंगे। राहुल गांधी ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर यह जानकारी देते हुए बताया मैं सच में डलास, टेक्सास, यूएसए में भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों से मिले गर्मजोशी और स्वागत से बहुत खुश हूं। राहुल गांधी ने आगे इस यात्रा के बारे में लिखा, मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं जो हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। इससे पहले ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने यह जानकारी देते हुए बताया था कि राहुल गांधी 8 सितंबर से अमेरिका यात्रा पर रहेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे। सैम पित्रोदा ने बताया था कि हर शहर में एक प्रवासी कार्यक्रम होगा। इसके अलावा राहुल भारतीय प्रवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित एक डिनर में भी शामिल होंगे। इससे पहले पिछले साल जून में भी राहुल गांधी ने अमेरिका का दौरा किया था। सैन फ्रैंसिस्को में राहुल भारतीय छात्रों से मिले थे। यहां उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया था जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थी।

मणिपुर में तैनात किया गया एंट्री ड्रोन सिस्टम

उग्रवादियों द्वारा आधुनिक हथियारों के इस्तेमाल को देखते हुए लिया गया फैसला

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा और उग्रवादियों द्वारा आधुनिक हथियारों के इस्तेमाल को देखते हुए असम राइफल्स ने एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात कर दिया है। सीआरपीएफ ने भी मणिपुर में सुरक्षाबलों को एक एंटी ड्रोन सिस्टम उपलब्ध करवाया है। मणिपुर पुलिस ने बताया कि बढ़ते तनाव और हिंसक घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने बताया कि कुछ और एंटी ड्रोन गन लाई जा रही हैं। बीते दिनों उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिले के इलाकों में कई ड्रोन देखे जाने के बाद लोगों ने शुक्रवार रात अपने घरों की लाइटें बंद कर दी थीं। बीते सप्ताह की शुरुआत में इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर लोगों पर बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर में कई ड्रोन देखे गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घबराए ग्रामीणों ने घरों की लाइटें बंद कर दीं। पुलिस के बयान में कहा गया, राज्य की पुलिस ने भी एंटी ड्रोन सिस्टम की खरीद और सुरक्षा के मानकों को बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है। बता दें कि मणिपुर में बीते साल 3 मई से ही जातीय हिंसा जारी है। बीते दिनों उग्रवादियों ने हमले के लिए रॉकेट का भी इस्तेमाल किया था।

मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे की अटकलें

मणिपुर में जारी हिंसक घटनाओं के बीच मुख्यमंत्री एन बीरेन और राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के बीच शनिवार रात इंफाल के राजभवन में 30 मिनट से अधिक समय तक एक बैठक हुई। इसके बाद इंफाल में अटकलों का बाजार गर्म है। आपको बता दें कि यह बैठक मुख्यमंत्री के बंगले पर विधायकों की बैठक के तुरंत बाद हुई है। बैक टु बैक हुई बैठकों से मणिपुर के राजनीतिक परिदृश्य में हलचल बढ़ गई। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि मुख्यमंत्री अपना इस्तीफा दे सकते हैं। अभी तक बंद कमरे में दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान केंद्र सरकार को कुछ मांगें बताई होंगी। इस दौरान मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह भी थे। शुक्रवार को मणिपुर अखंडता समन्वय समिति द्वारा सार्वजनिक आपातकाल घोषित किए जाने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित इस्तीफे के बारे में अटकलों ने जोर पकड़ लिया।

अमित शाह नेशनल कॉन्फ्रेंस से डरते हैं, हम घुसपैठिए नहीं

फारुक अब्दुल्ला बोले-370 खत्म किया तो क्या आतंकवाद खत्म हो गया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला ने अमित शाह पर निशाना साधा है। अब्दुल्ला ने कहा- शाह कहते हैं कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस सत्ता में आई तो आतंकवाद फिर से शुरू हो जाएगा। मैं उनसे पूछता हूं कि जब उन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म किया तो क्या आतंकवाद खत्म हो गया। अब्दुल्ला ने कहा-अमित शाह नेशनल कॉन्फ्रेंस से डरते हैं, इसलिए वे हर तरह से नेशनल कॉन्फ्रेंस को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम जीतेंगे। मैं उनसे बस इतना कहना चाहता हूं कि हम उस भारत के खिलाफ हैं, जो वे बनाना चाहते हैं।

परिवार में फूट समाज को पसंद नहीं, मुझसे गलती हुई

- **महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने फिर मानी गलती**
- **कहा-परिवार में फूट डालने की गलती नहीं करनी चाहिए**

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार ने पत्नी सुनेत्रा पवार को बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़वाने पर एक बार फिर अपनी गलती मानी है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज परिवार में लड़ाई को पसंद नहीं करता है। अजित गढ़चिरौली में शनिवार को एक जनसम्मान रैली को संबोधित कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा- परिवार में फूट डालने की गलती नहीं करनी चाहिए। मुझे अपनी गलती का एहसास हो गया है।

मैंने भूल स्वीकारी है। अजित ने एक महीने के भीतर दूसरी बार अपनी बात दोहराई है। उन्होंने इससे पहले 13 अगस्त को एक मराठी न्यूज चैनल को इंटरव्यू में कहा था कि राजनीति को घर में घुसने नहीं देना चाहिए। मेरा अपनी पत्नी को बहन के खिलाफ चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था। अजित ने विधायक की बेटी को बगावत से रोकने की कोशिश की अजित ने गढ़चिरौली में भाषण के जरिए एनसीपी नेता राज्य मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री को शरद गुट में जाने से रोकने की कोशिश की। दरअसल, आगामी विधानसभा चुनाव में भाग्यश्री के अहेरी विधानसभा सीट से शरद गुट के टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकले हैं। ऐसा हुआ तो वो अपने पिता के खिलाफ ही चुनाव लड़ेंगी। धर्मराव बाबा आत्राम 2019 से अहेरी के विधायक हैं। जुलाई 2023 में जब अजित पवार ने चाचा शरद पवार से बगावत की थी, तो उनका साथ देने वालों विधायकों में धर्मराव बाबा भी थे। तब एनसीपी दो खेमे में बंट गई थी। अजित एनसीपी (अविभाजित) के 8 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। उन्होंने अपने साथ 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया था। गठबंधन सरकार में अजित को डिप्टी सीएम बनाया गया था।

राजस्थान में अब सरकारी समारोह में बैंड बजाएंगे कैदी!

बीकानेर जेल में 18 कैदियों का बना ग्रुप, दी जा रही ट्रेनिंग

जयपुर/बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान की बीकानेर जेल के कैदी अब शादी ब्याह के साथ सरकारी और निजी समारोह में बैंड बजाते नजर आएंगे। बीकानेर जेल प्रशासन की ओर से पहली बार ट्रेनिंग दी जा रही है। इस ग्रुप में कुल 18 बंदी शामिल हैं। कैदियों के आचरण को देखकर उन्हें इस टीम में शामिल किया गया है। बीकानेर जेल में बंद एक कैदी है, जो कई तरह के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाने में माहिर है। वहीं कैदी संगीत का शौक रखने वाले अन्य कैदियों को शहनाई, तुरही, ड्रम, डफ, बिगुल, भोंपू, ताल, पतासा और अन्य वाद्य यंत्र बजाने की ट्रेनिंग दे रहा है। जेलर सूरज सोनी, मुख्य प्रहरी गिरिराज प्रसाद मीणा और प्रहरी कमल वैष्णव की देखरेख में जेल में बैंड तैयार किया जा रहा है। आगामी दिनों ने कैदियों का यह बैंड शादी समारोह के साथ अन्य सरकारी और निजी कार्यक्रमों में भी सुरीले वाद्य यंत्र बजाते नजर आएंगे। जेल प्रशासन की ओर से कैदियों के लिए सभी तरह के वाद्य यंत्रों की खरीद की जाएगी।

यह अनूठी पहल की जा रही है। जेल में बंद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों का एक ग्रुप तैयार किया जा रहा है, जो वाद्य यंत्र बजाने में माहिर हैं। संगीत में रुचि रखने वाले कैदियों को जेल में ही

कंगना की फिल्म को सेंसर बोर्ड ने दे दिया सर्टिफिकेट

- इमरजेंसी के 3 सीन डिलीट, 10 बदलाव भी करने होंगे, इसके बाद रिलीज होगी

अमृतसर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने यू ए सर्टिफिकेट दे दिया है। इस फिल्म के कई सीन पर बोर्ड ने आपत्ति जताई है, जिसकी वजह से अब ये फिल्म कई कट और बदलावों के बाद कुछ ही हफ्तों में रिलीज की जाएगी। बोर्ड ने इस फिल्म से 3 सीन डिलीट करने के निर्देश दिए हैं। सख्त हिदायत दी है कि फिल्म को रिलीज करने से पहले इसमें 10 बदलाव करने होंगे। फिल्म को लेकर सिख संगठनों ने आपत्ति जताई थी, जिसके कारण बोर्ड ने सर्टिफिकेट रोक दिया था। कंगना ने बताया था कि सर्टिफिकेट ना मिलने के कारण फिल्म अपने तय समय पर रिलीज नहीं हो पाई है। सेंसर बोर्ड की तरफ से सर्टिफिकेट मिलने के बाद अभी तक सिख संगठनों की तरफ से या फिर कंगना के तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इमरजेंसी में दिखाए गए विवादित बयानों पर सेंसर बोर्ड ने फैक्ट्स दिखाने को कहा है। बोर्ड ने कहा है कि मेकर्स को इस फिल्म में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड मिल्हौस निक्सन द्वारा भारतीय महिलाओं के प्रति की गई अपमानजनक टिप्पणी शामिल है।

हरियाणा में कांग्रेस-एएपी में आज हो सकता है गठबंधन

4+1 फॉर्मूले पर आम आदमी पार्टी में बन गई है सहमति

बाबरिया बोले-उन्होंने कम सीटों पर कर लिया समझौता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन लगभग हो गया है। हालांकि, अभी इसका औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। शनिवार देर रात को कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच मीटिंग हुई। दोनों पार्टियों कल, 9 सितंबर को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान कर सकती हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने एएपी को 4+1 फॉर्मूला यानी 5 सीट का ऑफर दिया है। लोकसभा चुनाव में एएपी-कांग्रेस के जॉइंट कैंडीडेट डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था। इस सीट के अंतर्गत 11 विधानसभा आती हैं। गुप्ता यह चुनाव तो नहीं जीत पाए, लेकिन उन्होंने इस सीट के अंतर्गत आने वाली 4 सीट (गुहला चीका, पिहोवा, शाहाबाद और कलायत) पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस यह चारों सीट एएपी को दे सकती है। दीपक बाबरिया ने कहाकि गठबंधन को लेकर ऐसा लग रहा है कि आम आदमी पार्टी ने कम सीटों पर समझौता कर लिया है। इस पर जल्द फैसला हो जाएगा।

एएपी को अच्छी संख्या में सीटें दी जा रही हैं। राघव चड्ढा बोले-कांग्रेस के साथ अच्छी बातचीत हो रही है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही गठबंधन को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उम्मीद पर दुनिया कायम है। इस पर मैं बस इतना कह सकता हूं कि आरजू भी है, हसरत भी है और उम्मीद भी है। सीटों को लेकर कुछ नहीं कह सकता। राज्य में गठबंधन को लेकर कांग्रेस-एएपी के बीच 3 मीटिंग हो चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू पीड़ित बच्ची की इलाज के दौरान पटना में मौत

पटना, एजेंसी। मधुरापुर गांव की डेंगू से पीड़ित बच्ची की मौत इलाज के दौरान पटना में शनिवार की सुबह हो गयी. पप्पू मसाला मिल के संचालक पप्पू साह की पुत्री खुशबू कुमारी (17) पिछले तीन चार दिनों से तेज बुखार से पीड़ित थी. स्थानीय निजी क्लीनिक में दिखाने पर डेंगू बताया गया था. स्थिति में सुधार नहीं होता देख भागलपुर के एक निजी अस्पताल में ले गये. उसकी स्थिति गंभीर हो गयी, तो शुक्रवार की रात आइजीआईएमएस पटना रेफर कर दिया. वहां देर रात पहुंचने पर इलाज नहीं हो पाया. पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गयी. देर शाम बच्ची का अंतिम संस्कार बलाहा गंगाघाट पर किया गया. ग्रामीण शुभम भारती ने बताया कि बच्ची कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय मधुरापुर में 12वीं की छात्रा थी. प्रखंड क्षेत्र में जलजमाव से डेंगू व डायरिया समेत अन्य जलजनित बीमारी से लोग परेशान हैं. आम लोग सहित सरकारी विभाग के कर्मी डेंगू की चपेट में आ गये हैं. क्षेत्र में प्रायः सभी जगहों पर डेंगू के मरीज मिल रहे हैं. बकरी के दूध की मांग बढ़ गयी है. लोग स्वास्थ्य विभाग से फॉगिग कराने की मांग कर रहे हैं. रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह विदेशी शराब भारी मात्रा में आरपीएफ पुलिस ने बरामद की. तस्कर भागने में सफल रहा. आरपीएफ ने बताया कि हावड़ा-गया जाने के बाद प्लेटफार्म दो पर थैला व बैग लावारिस अवस्था में रखा देख पुलिस ने छानबीन की, तो कोई यात्री अपना नहीं बताया. थैला की जब जांच पड़ताल की गयी, तो विदेशी शराब की 38 बोतल बरामद की गयी. नौ बोतल आरएस 750 एमएल, 21 बोतल 375 एमएल व आठ बोतल मैजिक मूवमेंट इंग्लिश शराब बरामद की गयी है. सभी को उत्पाद विभाग को सौंपा गया. इस दौरान आरपीएफ पोस्ट के उप निरीक्षक पीयूष कुमार, एएसआई अजय कुमार, जवान एमके शर्मा मौजूद थे.

पटना में महिला का शव बरामद :गले, सिर और कनपट्टी पर जख्म के हैं निशाना

पटना, एजेंसी। पटना के अथमलगोला में महिला अनीता देवी (35) का शव बरामद हुआ है। पूरा मामला नीरपुर गांव का है। शव, अनीता के मायके के पास ही गली में पड़ा मिला। अनीता के गले, सिर और कनपट्टी पर धारदार हथियार से हमले के निशान हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेज दिया। परिजनों ने बताया कि महिला का ससुराल मसौढ़ी में है, फिलहाल वह अपने मायके में रह रही थी। कल दोपहर 11:00 बजे महिला गहना छुडाने की बात कहकर फतुहा गई थी। इसके बाद देर होने पर मायके वालों ने कॉल किया तो मोबाइल फोन बंद बता रहा था। परिजनों के द्वारा महिला को फतुहा बाजार और आसपास के विभिन्न इलाकों में ढूंढा गया, लेकिन वह नहीं बोली। सुबह में जब ग्रामीण टहलने घर से निकले तो महिला का शव गली में पड़ा था। इसके बाद परिजनों को इसकी सूचना दी गई। अथमलगोला थाने के स्ट्रू सुबोध कुमार ने बताया कि धारदार हथियार से गला, सिर और कनपट्टी पर वार किया गया है। पुलिस के द्वारा छानबीन की जा रही है। हत्या की आशंका परिजनों ने किसी पर भी जाहिर नहीं की है। पोस्टमार्टम के बाद ही घटना की वजह का पता चलेगा है।

बुजुर्ग ने 7 साल की मासूम के साथ किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद में एक 60 साल के बुजुर्ग ने 7 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना टेहटा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पीड़िता शनिवार की शाम घर के पास खेल रही थी। तभी उसके पड़ोसी नरेश महतो ने उसे गोद में उठा लिया और सुनसान इलाके में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। वहीं दरवाजे पर बच्ची को नहीं देख उसकी मां ने खोजबीन शुरू की। जिसके बाद बच्ची रोती बिखलती उसके घर पहुंची और घटना के बारे में अपनी मां को बताया। मां ने घटना की सूचना स्थानीय थाने के पुलिस को दिया। सुचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं नाबालिग बच्ची को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मेडिकल जांच की जा रही है, जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा हो पाएगा।

धूमधाम से मनाया जा रहा गणेश पूजा:मुंगेर में 20 फिट की प्रतिमा बना आकर्षण का केंद्र

दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को जुटी भीड़

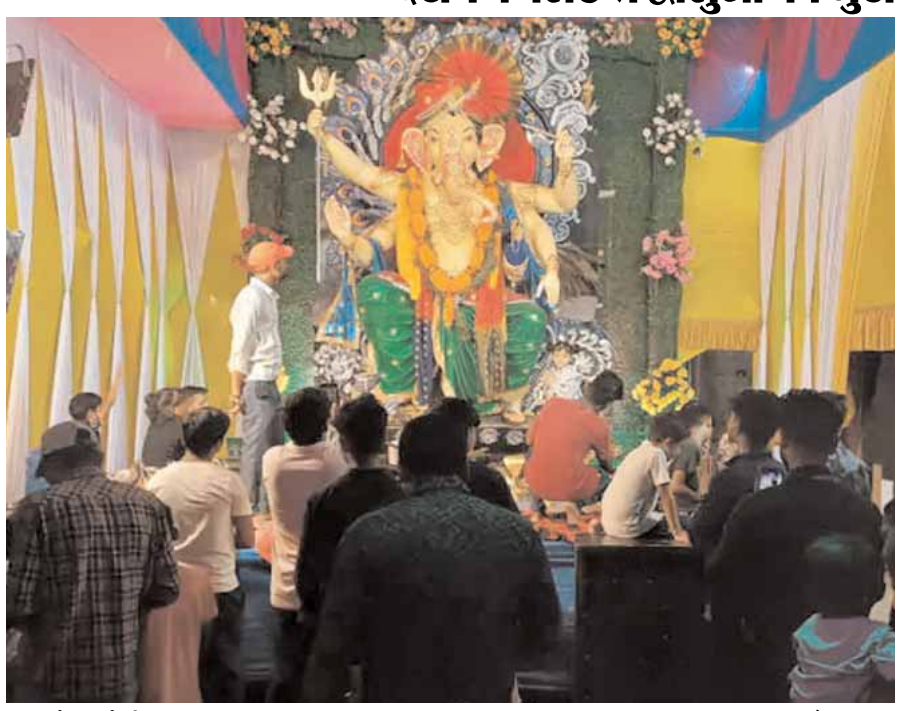

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में शनिवार को विभिन्न जगहों पर गणेश पूजा का आयोजन किया गया। जिसे लेकर जगह-जगह पर प्रतिमा स्थापित की गई है। गणेश पूजा को लेकर जिला मुख्यालय में कई जगहों पर आकर्षक पंडाल के अलावा मंदिर को रंगीन बल्बों से सजाया गया है।जबकि शहर में जो गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। जिसमें बेकापुर, मोगल बाजार और माधोपुर में कई जगहों पर 20 से 22 फीट ऊंची गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो शहर वासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

श्रद्धालुओं की जुटी भीड़

बेकापुर मनकेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पास लगभग 18 फीट, मोगल बाजार में 20 फीट और माधोपुर में लगभग 19 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा बनायी गयी है। इस आकर्षक प्रतिमा को देखने को लेकर लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है। इसके अलावा शहर में शादीपुर तिलक मैदान, गढ़ैया मार्केट, शादीपुर, गुलजार पोखर, अंबे चौक, पूरबसराय सहित अन्य जगहों पर प्रतिमा स्थापित की गई। इसके अलावा प्रखंड क्षेत्र में मुंगेर सदर, जमालपुर, बरियारपुर, धरहरा, हवेली खड़गपुर, टेटिया बंबर, तारापुर, असरगंज, संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में कई जगहों पर गणेश प्रतिमा को स्थापित की गई है। पूजा के पहले दिन कई जगहों पर भक्ति जागरण के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न मंदिरों में एक ओर जहां महिलाओं के द्वारा भजन कीर्तन किया गया तो वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा दिखा रहे थे। इधर गणेश पूजा के अवसर तीन दिनों तक अलग-अलग कार्यक्रम किए गए है।

सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

भगवान के भोग में हलवा, खिचड़ी का प्रसाद लगाया गया। वहीं इसके बाद महाआरती का भी आयोजन किया गया। गणेश पूजा को लेकर जिला में एसपी सैयद इमरान मसूद के निर्देश पर सभी जगहों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। शहरी क्षेत्र में संवेदनशील जगहों पर पुलिस और दंडाधिकारी को लगाया गया है। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौक चौराहा भी पुलिस जवानों को सुरक्षा में लगाया गया है। इसके अलावा जहां-जहां प्रतिमा स्थापित हुई है, वैसे जगहों पर बाइक सवार पुलिस के द्वारा गश्ती किया जा रहा है।

शिविर में ट्राई साइकिल की होगी मरम्मत: नालंदा में दिव्यांगों को मिलेगा फायदा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिला प्रशासन ने छत्र योजना (सम्बल) के तहत वितरित बैटरी चालित तिपहिया साइकिलों की मरम्मत के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन करने की घोषणा की है। यह कदम दिव्यांगजनों की दैनिक जीवन की चुनौतियों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, नालंदा ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य खराब बैटरी, चार्जर और अन्य तकनीकी समस्याओं का निःशुल्क समाधान प्रदान करना है। शिविर का आयोजन 11 और 12 सितंबर को जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, नालंदा में किया जाएगा।

सुबह 10 से शाम 4 बजे तक शिविर

दोनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक शिविर लगेगा। इस दौरान कुमार सर्जिकल भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम, कानपुर के विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे, जो वारंटी के तहत सभी आवश्यक मरम्मत और बदलाव का कार्य करेंगे। प्रशासन ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इस शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी इसका लाभ उठा सकें।

भीड़ को देखते हुए दुर्गापूजा, दीपावली और छठ को लेकर दिसंबर तक स्पेशल ट्रेनों की बढ़ाई गई परिचालन अवधि

पटना, एजेंसी। दुर्गापूजा, दीपावली और छठ पूजा के लेकर दिसंबर तक स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि बढ़ाई गई है। रेगुलर ट्रेनों में भीड़ को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि बढ़ा दी है। पटना, दानापुर, बरौनी आदि स्टेशनों से अहमदाबाद, वलसाड़, राजकोट सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि बढ़ाई गई है। इन ट्रेनों का 31 दिसंबर तक परिचालन किया जाएगा।

इन ट्रेनों का परिचालन 31 दिसंबर तक किया जाएगा

- अहमदाबाद-पटना स्पेशल 29 दिसंबर तक प्रत्येक रविवार को चलाई जाएगी।
- पटना-अहमदाबाद स्पेशल 31 दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलाई जाएगी।
- अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल 30 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी।
- दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल 31 दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी।
- वलसाड़-दानापुर स्पेशल 30 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को चलाई जाएगी।
- दानापुर-वलसाड़ स्पेशल 31 दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलाई जाएगी।
- साबरमती-पटना स्पेशल 31 दिसंबर तक प्रत्येक मंगलवार को चलाई जाएगी।
- पटना-साबरमती स्पेशल 2 जनवरी तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जायेगी।
- डा.अम्बेडकर नगर (इंदौर)-पटना स्पेशल 26 दिसंबर तक प्रत्येक गुरूवार।
- पटना-डा.अम्बेडकर नगर (इंदौर) स्पेशल 27 दिसंबर तक प्रत्येक शुक्रवार।
- राजकोट -बरौनी स्पेशल 27 दिसंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलाई जाएगी।
- बरौनी-राजकोट स्पेशल 29 दिसंबर तक प्रत्येक रविवार को चलाई जाएगी।
- उधना-पटना स्पेशल 27 दिसंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलाई जाएगी।
- पटना-उधना स्पेशल 28 दिसंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलाई जाएगी।

मुजफ्फरपुर में दो और मिले डेंगू के मरीज संक्रमितों की संख्या बढ़कर हुई 53

शहरी क्षेत्र में अबतक मिल चुके 8 रोगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में शनिवार को डेंगू दो नए मरीज मिले हैं। जिले में संक्रमितों की संख्या 53 हो गई है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है। ग्रामीण क्षेत्र में लगातार डेंगू से बचाव के लिए फॉगिंग और दवा का छिड़काव किया जा रहा है। डेंगू से बचाव को लेकर स्वास्थ विभाग की टीम सभी आवश्यक तैयारी करने में जुटी हुई है। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने सभी जिलों को डेंगू के इलाज के लिए डॉक्टर से लेकर लैब तकनीशियन की ट्रेनिंग कराने का निर्देश दिया है। जिले में अबतक औराई में 2, बोचहां में 3, गायघाट में 3, कांटी में 4, कटरा में 2, कुढ़नी में एक, मोतीपुर में एक, मीनापुर में 8, मुशहरी में 18, मुरौल में एक, पारू में एक, सकरा में एक और शहरी क्षेत्र में 8 मरीज मिल चुके हैं।

घर के आसपास पानी न लगने दें : सिविल सर्जन ने बताया की हम लोग डेंगू को लेकर के पूरी तरह से तैयार है और इसको लेकर के विभाग को निर्देश दिए गए हैं। लगातार जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जागरूकता अभियान जिले ग्रामीण इलाके में भी किया जा रहा है। इस दौरान कुछ सावधानी बरतने की जरूरत है। जैसे घर के आसपास या घर के अंदर पानी न जमा होने दें। गमला, कूलर, रखे हुए टायर में पानी भर जाए, तो इसे तुरंत निकाल लें। साफ- सफाई का खास ख्याल रखें। कूलर में अगर पानी है, तो इसमें कैरोसिन तेल डालकर रखें, इससे मच्छर पनपने की संभावना कम हो जाती है। पानी की टंकियों को खुला न छोड़े, अच्छी तरह ढककर रखें। इन दिनों फुल स्लीव और पैरों को ज्यादा से ज्यादा ढकने वाले कपड़े पहनें।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

नवादा, एजेंसी। नवादा के नगर थाना क्षेत्र के आईटीआई के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। घटना की सूचना के बाद आक्रोशित भीड़ ने एक ट्रक में आग लगा दिया है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। मृतक की पहचान गोनव गांव निवासी बिट्टू कुमार(28) के रूप में हुई है। वहीं उसके दोस्त का इलाज चल रहा है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि अपने दोस्त के साथ बाइक से घूमने के लिए निकला था। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद लोग आक्रोशित हो गए और ट्रक में आग लगा दिया। सूचना के बाद एसडीओ अखिलेश कुमार, डीएसपी अनोज कुमार और थाना प्रभारी अविनाश कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास करने लगे। डीएसपी अनोज कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक में आग लगा दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिहार में सियार का हमला, झुंड में निकल कर ढूंढ रहे शिकार, कई ज़ख़्मी

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों में लोग भेड़िए के हमलों से दहशत में हैं। वहीं अब बिहार के भी कई ज़िलों से जंगली जानवरों के तांडवों की ख़बर सामने आ रही है। ताज़ा बिहार के मुजफ्फरपुर ज़िले का है, जहां लोग सियार के हमलों से ख़ौफ़ज़दा हैं।

ग्रामीणों की मानें तो 4 से 5 की झुंड में निकलकर सियार शिकार पर निकल रहा है। सदर थाना क्षेत्र (मुजफ्फरपुर) के एक गांव में 12 से ज्यादा लोगों पर सियार ने हमला कर ज़ख्मी कर दिया है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है।

ग्रामीणों का कहना है कि हमला के बाद सियार घनी झाड़ियों में घुस जाता है। वन विभाग की टीम सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अभी तक कोई कामयाबी नहीं मिली है। 3 जगहों पर पिंजरा लगाने के बाद भी अभी तक एक भी सियार काबू नहीं किया जा सका है। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि रात के वक्त घर से बाहर नहीं निकले। अकेले खेतों में काम करने भी नहीं जाएं। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि सियार की दहशत से बच्चे स्कूल जाने से भी डर रे हैं। माधोपुर की दो पंचायतों की करीब दस हजार से ज्यादा की जंगली जानवरों के हमले से दहशत में जी रही है। हसन चक बंगरा गांव (शेरपुर पंचायत, सदर थाना क्षेत्र, मुजफ्फरपुर) में एक दर्जन से ज़्यादा लोगों पर सियार जानलेवा हमला कर चुका है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी सियार की टोली का शिकार हो चुकी है। एक साथ 4 से 5 की तादाद में निकले सियार की टोली लोगों को शिकार बना रही है। ज़्यादातर बच्चों पर हमले हो रहे हैं। जख्मी को स्वस्थ॥ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

इलाज के दौरान मरीज की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

मुंगेर में डॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की का भी आरोप, चिकित्सक बोले-अस्पताल आने से पहले गई जान

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर के हवेली खड़गपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे शनिवार की देर शाम अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर अमित कुमार के साथ कुछ लोगों ने धक्का मुक्की की गई और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार हवेली खड़गपुर नंदलाल बसु चौक निवासी सुनील बाड़ी की पत्नी शुक्रवार को व्रत की थी। शनिवार को उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए निजी चिकित्सक के पास भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बताकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। जहां चिकित्सक अमित कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन आक्रोशित हो गए और डॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की करते हुए जमकर हंगामा किया।

अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

चिकित्सक ने बताया कि उसकी रास्ते मे ही डेथ हो गयी थी। हंगामे के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने इसकी सूचना खड़गपुर थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जानकारी डॉक्टर से ले रही है।

आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई

हवेली खडागपर थानाध्यक्ष बिपिन कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस को अस्पताल भेजा गया और मामले को समझने के साथ ही शांत कराया गया। इस मामले में दोनों पक्ष में से किसी ने आवेदन नहीं दिया है। पुलिस अपने स्तर से जांच में जुटी हुई है।

बिहार का कुख्यात इनामी ऋषिकेश से गिरफ्तार, उसपर 27 मुकदमे दर्ज

पटना, एजेंसी। एसटीएफ ने उत्तराखंड के ऋषिकेश से पटना समेत बिहार के कई जिलों व झारखंड के कुख्यात रंजीत चौधरी को गिरफ्तार किया है। उसपर दो लाख का इनाम था। वह भोजपुर के उदवंत नगर थाने के बेउलाउर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ ने उसे ऋषिकेश से बीच सड़क से उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वहीं कहीं जा रहा था। उसपर पटना, भोजपुर, बक्सर के अलावा झारखंड के कई थानों में हत्या, गोलीबारी, रंगदारी, आर्म्स एक्ट समेत 27 संगीन मुकदमे दर्ज हैं। ऋषिकेश में चार साल से अपने बच्चों को पढ़ा रहा था। पुलिस उसे चार साल से तलाश रही थी। उसपर दो लाख का इनाम घोषित किया गया था। उसे गिरफ्तार करने के लिए एसटीएफ एक साल से लगी थी। एसटीएफ एक माह से देहरादून और ऋषिकेश में डेरा डाले थी। वह बार-बार ठिकाना बदल रहा था। वह कभी मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करता है। पहचान छिपाने के लिए हमेश बाल मुंडवा कर रहता था। चार साल से परिवार और बच्चों को ऋषिकेश में रखे हुए था। ऋषिकेश में ही उसके बच्चे पढ़ते हैं।

पत्नी एनकाउंटर के डर से सहमी, डाल दिया वीडियो : गिरफ्तार होने के बाद रंजीत की पत्नी इस बात से सहम गई कि कहीं पुलिस पति का एनकाउंटर न कर दे। इसलिए उसने गिरफ्तार होने को लेकर ऑडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। साथ ही रंजीत का पुराना वीडियो भी डाल दिया।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

नरक में तब्दील केसरिया विधानसभा का मुरली गांव, मूलभूत सुविधाओं से वंचित

- सड़क, नलजल सहित सभी बुनियादी सुविधा से वंचित है गांव
- पीने के शुद्ध पानी के लिए तरस रहे हैं ग्रामवासी

बीएनएम। मोतिहारी। राकेश कुमार

जिले के संग्रामपुर प्रखण्ड के पश्चिमी मधुबनी पंचायत का वार्ड तीन स्थित मुरली गांव आजादी के 78 वर्ष के बाद भी अपने मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। आज तक यह गांव सरकार के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से वंचित है। इस गांव में न आंगनबाड़ी केंद्र है और न हीं उपस्वास्थ्य केंद्र। साथ हीं यह गांव मुख्य सड़क से नहीं जुड़ पाया है। उक्त गांव के दो हजार की आबादी मूलभूत बुनियादी सुविधाओं से वंचित है।इस गांव की सड़क कच्ची और इस कदर जर्जर है कि हल्की वर्षा होने पर कीचड़ से भर जाती है। जिस कारण राहगीरों को काफी कठिनाईयो का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण मुन्ना ठाकुर, अभय ठाकुर, रामप्रवेश ठाकुर, अशेसर ठाकुर, रंजीत ठाकुर, विजय ठाकुर, योगेंद्र सिंह, अखिलेश ठाकुर, विनय ठाकुर, अवधेश ठाकुर, अमित कुमार, गुलशन कुमार, राजन कुमार आदि ने बताया कि चुनाव के समय सड़क नहीं होने से कोई प्रत्याशी वोट मांगने तक नहीं जाते हैं। अभी बरसात के समय में कच्ची सड़क कीचड़ से भर गया हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार के दावे के बावजूद भी पीने को शुद्ध पेयजल तक नही मिल रहा हैं। वार्ड तीन का उक्त टोला नलजल से आज भी वंचित है। ग्रामीण नलजल के लिए प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर काटकर थक हार गए हैं। लेकिन कोई सुनने।वाला नहीं है। ग्रामीणों ने गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने व नलजल की मांग की है। अगर मांग पूरा नहीं होगा तो बाध्य होकर आंदोलन करने को विवश होंगे। उल्लेखनीय है कि मुरली गांव से केसरिया विधानसभा की सीमा प्रारम्भ होती है।

विधायक से नाराज हैं ग्रामीण- यह गांव केसरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आता है। इस गांव के लोग केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा से खासे नाराज हैं। ग्रामीणों ने विधायक पर आरोप लगाते हुए बताया कि विधायक को सिर्फ वोट से मतलब है। जीतने के बाद अपने कार्यकर्ताओं की भी नही सुनती हैं। इधर, इलाके में विधायक की एक ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। जिसमें एक ग्रामीण के द्वारा आग्रह किया जा रहा है कि उक्त गांव के लोगों से एक बार मिल कर समस्याओं से अवगत हो लीजिए। जिस पर विधायक श्रीमती मिश्रा के द्वारा डांट फटकार लगा कर फोन काट दिया जा रहा है। इस संबंध में दूरभाष पर जब विधायक से पक्ष जानना चाहा गया तो उन्होंने कुछ भी बताने से इंकार किया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी चंपारण के एसपी कांतेश मिश्र बने आईबी के डिप्टी डायरेक्टर

बीएनएम। मोतिहारी। भारतीय पुलिस सेवा 2015 बैच के आईपीएस और वर्तमान में पूर्वी चंपारण जिले के एसपी कांतेश कुमार मिश्र को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा रहा है। गृह मंत्रालय के द्वारा बिहार के चीफ सेक्रेट्री को भेजे गये पत्र में उन्हें रिलीव करने को कहा गया है। उन्हें इंटेलिजेंस ब्यूरो में ज्वाइंट डिप्टी डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। इनकी सेवा पांच सालों की होगी। कांतेश मिश्र की पहचान एक ईमानदार, मृदुभाषी, कवि हृदय के अलावे क्विक रिस्पॉन्सिबल पदाधिकारी के रूप में रही है। पुलिस कप्तान होते हुए कवि की सोच होना अपने आप में बड़ी बात है, तभी तो पुलिस अधीक्षक की पाटलिपुत्र की छांव व मगध सा मन काव्य संग्रह खूब सराहा गया। जिले में दिसबंर 2022 में पदस्थापित होने के बाद अपराध नियंत्रण के मामले में भी उनकी कार्यशैली काफी सराहनीय रही है। संवेदनशील घटना के बाद पुलिस की तात्कालिक एक्शन श्री मिश्र का लाजवाब रहा। घोड़ासहन में नेपाली डकैतों का एनकाउंटर हो या फिर एके 47,अमेरिकन पिस्टल व वॉकी टॉकी बरामदगी की कार्रवाई काबिले तारीफ कही जायेगी। दूसरे प्रदेश से अपराधियो की गिरफ्तारी में भी पुलिस कप्तान पीछे नहीं रहे। एटीएम चोर का अन्तराज्यीय गैंग या करोड़ो के स्वर्णाभूषण की चोरी कांड का खुलासा कोई बख्शा नहीं गया। घटना बड़ी हो या छोटी उसे होम वर्क बनाकर टीम वर्क कर के उदभेदित किया गया। मिश्र की कार्यकुशलता वैसे मामले में भी देखा गया, जो मामले संदिग्ध थे। मिश्र की उपलब्धि शराब तस्करी पर लगाम लगाने में भी अव्वल रही। साथ ही जाली नोट व मादक पदार्थ के कई खेप भी पकड़े गए और कई तस्कर जेल भेजे गए। सीमाई इलाकों में तस्करी को लेकर भी पुलिस कप्तान की खुफिया तंत्र काफी मजबूत रहा है।

रक्सौल में विधि जागरूकता कैंप का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्सौल शहर के वार्ड नंबर 1 स्थित स्वच्छ रक्सौल संगठन के कार्यालय में रविवार को विधि जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मोतिहारी सिविल कोर्ट के अधिवक्ता पवन कुमार सिंह के द्वारा लोगों को निःशुल्क कानूनी सलाह दी गयी। इस दौरान स्वच्छ रक्सौल संगठन के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि कानून की जानकारी के अभाव में लोगों को कई तरह की परेशानी होती है, ऐसे में हमारे संस्था का यह छोटा सा प्रयास है कि लोगों को कानून के प्रति जागरूक किया जाये।कैंप के दौरान मुख्य रूप से फौजदारी, चेक बाउंस मामले, जमीनी विवाद के साथ-साथ भूमि सर्वे को लेकर लोगों को आ रही परेशानी का समाधान किया गया। मौके पर अनु सिंह, प्रधुमन कुमार, सैमुल मैसी, प्रमोद कुमार, सुबोध ठाकुर, ऋषिदेव सिंह, कन्हैया कुमार, मो. असलम के अलावे स्वच्छ रक्सौल की महिला इंचार्ज साबरा खातून मौजूद रही।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के बीच हुआ समझौता

शिक्षा एवं शोध-क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग पर बनी सहमति

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के बीच शैक्षणिक एवं अकादमिक क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के लिए समझौता हुआ है। एमजीसीयू मोतिहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने इस समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर किए है।मौके पर केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य अकादमिक सहयोग की एक नयी राह खुलेगी, जिससे छात्र-छात्राओं को अध्ययन-अध्यापन में सहयोग मिलने के साथ ही विज्ञान, तकनीकी और अभियांत्रिकी के साथ शोध-परियोजनाओं में संयुक्त रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा।साथ ही कार्यशाला, संगोष्ठी और शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन भी किया जाएगा। वह डा.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि इस अनुबंध से शिक्षा को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने में सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है,कि हाल में ही भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर तथा भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के साथ महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा एवं शोध-क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग के लिए समझौता किया है। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालय शिक्षा एवं शोध के गुणवत्ता बढ़ाने तथा अकादमिक उन्नयन के लिए देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्सौल हवाई अड्डा के निर्माण की कारवाई शुरू होने से नेपाल के व्यवसायियो में हर्ष

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल हवाई अड्डा निर्माण की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई शुरू होने से भारत और नेपाल के नागरिकों में हर्ष व्याप्त है। रक्सौल में हवाई अड्डा बन जाने से न केवल भारतीय नागरिकों जबकि मित्र राष्ट्र नेपाल के नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। भारत सरकार और बिहार सरकार के द्वारा रक्सौल हवाई अड्डा को संचालन में लाने के लिए उठाये जा रहे सकारात्मक कदम का स्वागत करते हुए वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल ने कहा कि रक्सौल में एयरपोर्ट का बनना सीमाई इलाके के लोगों के लिए वरदान से कम नहीं होगा। अब तक जो जानकारी मिली है कि सरकार इस एयरपोर्ट को चालू करने की दिशा में काफी सकारात्मक पहल शुरू कर दी है, ऐसे में हम सभी के लिए इससे खुशी की बात नहीं हो सकती है। इस (रक्सौल) एयरपोर्ट के बनने से भारत और नेपाल के संबंध और भी प्रगाढ़ होगें, साथ ही दोनो देश के नागरिक एक दूसरे देश का भ्रमण आसानी से कर पायेगें।

सीएमआर लंबित रखने वाले पैक्सों, मिलरों के विरूद्ध की जायेगी कठोर कार्रवाई : डीएम

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला के डीएम दिनेश कुमार राय ने रविवार को कहा कि सीएमआर लंबित रखने वाले पैक्सों, मिलरों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। 15 सितंबर तक लंबित सीएमआर की आपूर्ति करें, अन्यथा FIR दर्ज करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उच्चस्तर पर लगातार सीएमआर आपूर्ति की समीक्षा की जा रही है। सीएमआर आपूर्ति कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही, कोताही एवं शिथिलता बरतने वालों को कतई बख्शा नहीं जायेगा।जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बीसीओ वाइस सीएमआर आपूर्ति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी प्रखंडों के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सीएमआर आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही सख्त हिदायत दी कि लक्ष्य के अनुरूप 15 सितंबर तक सीएमआर आपूर्ति नहीं कराये जाने की स्थिति में उनके विरूद्ध भी कठोर विभागीय कार्रवाई की जायेगी। ऐसे प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी के विरुद्ध प्रपत्र-क गठित करते हुये अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। बैठक से अनुपस्थित एवं कार्य में लापरवाही को लेकर कई प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को शोकॉज करने तथा वेतन निकासी पर रोक लगाने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बिहार गन्ना उद्योग विभाग के ईख आयुक्त ने सुगौली चीनी मिल का किया निरीक्षण

गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने हेतु आधुनिक विधि अपनाये किसान, हर संभव सहायता करेगा विभागः अनिल कुमार झा

बीएनएम। सुगौली। मृत्युंजय पाण्डेय

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के ईख आयुक्त अनिल कुमार झा ने रविवार को सुगौली एच पी सी एल चीनी का गहन निरीक्षण किया। गन्ना आयुक्त के चीनी मिल परिसर में पहुंचते ही मिल के महा प्रबंधक विजय कुमार दीक्षित तथा मिल के अधिकारियों द्वारा आयुक्त श्री झा को बुके तथा अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। गन्ना आयुक्त श्री झा ने चीनी मिल का निरीक्षण किया और मिल के गन्ना पेराई सत्र 2024-25 की तैयारियों के विषय में महाप्रबंधक श्री दीक्षित से अद्यतन जानकारियां लीं। निरीक्षण सत्र के बाद आयुक्त श्री झा ने मिल के सभाकक्ष में क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों तथा चीनी मिल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक किया और गन्ना उत्पादन दौरान किसानों को आने वाली परेशानियों को सूना तथा चीनी मिल के पेराई सत्र 2023-24 का जायजा लिया। महाप्रबंधक श्री दीक्षित ने पेराई सत्र 2023-24 का विस्तृत ब्योरा पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से गन्ना आयुक्त के सामने प्रस्तुत किया। गत पेराई सत्र की उपलब्धियों तथा चीनी मिल द्वारा गन्ना किसानों के स-समय किये गये राशि भुगतान के लिए मिल प्रबंधन की सराहना की। चीनी मिल के उप महाप्रबंधक शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने के लिए चीनी मिल द्वारा उपयोग में लाये जा रहे तकनीकों के विषय में गन्ना आयुक्त को बताया गया। वहीं गन्ना उप प्रबंधक संजीव कुमार ने मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना की प्रगति के बावत जानकारी दी। संयुक्त बैठक में मौजूद प्रगतिशील किसानों ने आयुक्त श्री झा को क्षेत्र में गन्ना उत्पादन की स्थिति और परेशानियों से अवगत कराया। किसानों ने गन्ना फसलों पर कीटनाशक छिड़काव में ड्रोण के उपयोग की मांग की,जिसके जवाब ने आयुक्त श्री झा ने कहा कि छिड़काव के लिए ड्रोण के उपयोग में कुछ कानूनी बाध्यतायें हैं। आयुक्त श्री झा ने कहा कि ड्रोण द्वारा छिड़काव अंतरराष्ट्रीय सीमा के पच्चीस किलोमीटर के अंदर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के पच्चीस किलोमीटर क्षेत्र के बाहर गन्ने की खेती करने वाले किसान समूह में स्थानीय चीनी मिल से टाय अप होकर ड्रोण की खरीदारी कर सकते हैं। किसान सह मिल की जमीन लीज पर लेकर गन्ना उत्पादन करने वाले विनोद कुमार गुप्ता ने आयुक्त श्री झा से मांग किया कि गन्ने की बुआई से लेकर कटायी तक की प्रक्रिया में मनरेगा के तहत काम कर रहे मानव बल के उपयोग की अनुमति विभाग दे।जवाब में श्री झा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि इस बावत मनरेगा आयुक्त से बात करुंगा। वहीं बैठक में मौजूद किसान अनिल कुमार दूबे

ने गन्ने की खेती के लिए बैंक से व्यापक ऋण दिलाने की मांग की।जिसे मानते हुए आयुक्त श्री झा ने कहा कि बहुत अच्छा सुझाव है। उन्होंने महाप्रबंधक श्री दीक्षित को निर्देश देते हुए कहा कि इस बावत वे किसानों, बैंकरों और महाप्रबंधक एक संयुक्त बैठक कर अपना प्रपोजल बैंकर्स के सामने रखें। किसानों की सभी समस्या के समीक्षा के बाद आयुक्त श्री झा ने कहा कि किसान हमसे मांग करें हम गन्ने की उन्नत खेती और उत्पादकता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने गन्ने के वडचीप बीजों का बुआई में उपयोग करने की बात किसानों से कहीं। आयुक्त श्री झा ने बडचीप बीज पर किसानों को सब्सिडी सहित अन्य मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने किसानों से आधुनिक मशीनों द्वारा गन्ने के व्यवसायिक उत्पादन पर बल देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मशीन क्रय करने वाले एकल किसान को पच्चास प्रतिशत सब्सिडी विभाग देगा तो वहीं समूह बनाकर किसान मशीन क्रय करते हैं तो क्रय पर पच्चास प्रतिशत से भी अधिक विभाग द्वारा दिया जायेगा। गन्ना आयुक्त श्री झा ने गन्ने की परंपरागत खेती से इतर आधुनिक विधि और तकनीकों का इस्तेमाल करने की सलाह किसानों को दिया।बैठक के बाद गन्ना आयुक्त ने विनोद गुप्ता द्वारा मिल से जमीन लीज पर लेकर किये गये गन्ने की खेती का निरीक्षण किया।साथ ही गन्ने की खड़ी फसलों की गुणवत्ता और स्प्रिंगल विधी से खेत की सिंचाई को देखकर किसान को शाबाशी दिया। मौके पर सहायक ईखायुक्त सह सहायक निदेशक देवव्रत कुमार, ईख पदाधिकारी मोतीहारी राहुल कुमार, चीनी मिल के गन्ना अधिकारी अभय नाथ पांडेय, अमित कुमार सिंह, रंजीत सिंह, अजय कुमार शर्मा व प्रगतिशील किसान विजय कुमार नायक, रामबाबू मिश्र, नरेंद्र यादव, संजू दूबे, भिखारी सिंह, वैधनाथ यादव, शिवशंकर यादव आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने चुलाई शराब व बाईक सहित तीन शराब कारोबारियों को पकड़ा

बीएनएम। सुगौली। स्थानीय पुलिस ने रविवार को बाइक व अड़तीस लीटर चुलाई शराब के साथ तीन शराब कारोबारियों को पकड़ा। तीनों शराब कारोबारियों में एक थाना क्षेत्र के मेहवा गांव निवासी किशोरी सहनी का पुत्र विजय सहनी उर्फ विनय कांत है तो वहीं दुमदुमवा निवासी छठू सहनी के दो पुत्र फगुनी सहनी और किशोरी सहनी बताये जातें हैं। पुलिस ने बरामद शराब व बाइक को जब्त कर लिया है। बाइक के नंबर प्लेट से नंबर को खुरच दिया गया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि तीनों को उत्पाद अधिनियम के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विश्व साक्षरता दिवस पर सुकून फ़ाउंडेशन ने की गरीब बच्चों के लिए अनोखी पहल

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर रविवार को सुकून फ़ाउंडेशन ने गरीब बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण और अनोखी पहल की है। इस पहल के तहत गरीब बच्चों को मुफ्त में शैक्षिक सामग्री और खाद्य वस्तुएं वितरित की गईं, जिनमें

कॉपी, कलम, पेंसिल, कटर, रबर, बिस्किट और चॉकलेट शामिल थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उनके भविष्य को संवारने में मदद करना है। इस अवसर पर 40 गरीब बच्चों को शैक्षिक सामग्री वितरित की गई, जिससे उन्हें अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और वे जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में शामिल छात्रनेता करण सिंह ने कहा, "शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है, और हमारा लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा इस अधिकार से वंचित न रहे। यह पहल गरीब बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक कदम है।" सुकून फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष अवनीश राहुल ने इस अवसर पर कहा, "शिक्षा हर बच्चे का मूलभूत अधिकार है, और कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण इससे वंचित नहीं होना चाहिए। हमारी संस्था छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रदान करती है, ताकि वे बेफिक्र होकर अपनी पढ़ाई कर सकें।" यह कार्यक्रम रॉबिन हुड अकैडमी, मुजफ्फरपुर में आयोजित किया गया, जो कि गरीब छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करती है। अकैडमी के प्रतिनिधि गौरव ने सुकून फ़ाउंडेशन के इस नेक प्रयास की सराहना करते हुए अवनीश राहुल को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस तरह की पहल जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से राजा कुमार, ओम कुमार, सोनू कुमार, धीरज कुमार, अजीत कुमार, चंदन कुमार, दिलीप कुमार, सौरभ कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। इस पहल से समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा की दिशा में एक नई राह मिलेगी और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आभूषण दुकान के सेल्समैन की संदिग्ध मौत, इलाके में सनसनी

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः साहेबगंज थाना क्षेत्र के बैधनाथपुर हाई स्कूल के पास एक आभूषण दुकान में काम करने वाले सेल्समैन की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान बैधनाथपुर के करनाल निवासी कुशलेसर साह के 21 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई, जो अपने चाचा सुभाष प्रसाद की बस स्टैंड स्थित आभूषण दुकान में काम करता था। रविवार को विक्की का शव एक कमरे में संदिग्ध हालत में पाया गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही साहेबगंज थाना के एसआई हरेंद्र दास और जमादार दुर्गा राम मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक के परिजनों से पूछताछ की, लेकिन परिजनों ने घटना के बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे हत्या का मामला मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ी आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा।

भारत-नेपाल बार्डर पर शंकराचार्य गेट के समीप बनेगा भव्य अक्षरधाम मंदिर

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल की सीमा पर अक्षरधाम मंदिर निर्माण को लेकर कागजी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सब कुछ ठीक रहा तो इस साल के अंत तक रक्सौल-वीरगंज बॉर्डर पर शंकराचार्य गेट के समीप भव्य अक्षरधाम मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो सकेगा। वीरगंज में अक्षरधाम मंदिर बनाने की पहल वीरगंज के मेयर राजेशमान सिंह के द्वारा शुरू की गयी थी, जिसे वीरगंज ही नहीं बल्कि रक्सौल के लोगों का भी भारी समर्थन प्राप्त हो रहा है। हाल ही में वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने कलकता में स्वामी नारायण अक्षरधाम ट्रस्ट के डॉ. स्वामी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने वीरगंज महानगरपालिका के तरफ से अनुरोध पत्र के साथ-साथ सभी प्रकार के आवश्यक अनापति प्रमाण पत्र को अक्षरधाम मंदिर ट्रस्ट को सौंपा है, साथ ही, अनुरोध किया है,कि जल्द से जल्द वीरगंज की धरती पर अक्षरधाम मंदिर निर्माण कार्य की शुरूआत

की जाये। वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने बताया कि अक्षरधाम मंदिर का वीरगंज में बनना दोनो देश के नागरिकों के लिए गर्व की बात है।यहां अक्षरधाम मंदिर को बनते देखना इस पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने बताया कि धार्मिक और पर्यटन के दृष्टिकोण से भी अक्षरधाम मंदिर बन जाने से रक्सौल व वीरगंज के लोगों को लाभ होगा। उन्होने बताया कि मंदिर को लेकर 4 एकड़ भूमि चिन्हित कर मंदिर का सांकेतिक नक्शा भी जारी किया गया है।

250 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। रामगढ़वा

पलनवा थाना पुलिस ने शनिवार को बाइक से तस्करी कर ले जाये जा रहे 250 पीस कस्तूरी नेपाली शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी पलनवा थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो ने दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार बेलासपुर गांव से 250 पीस कस्तूरी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। वे बाइक पर शराब लेकर जा रहा था। वही बिना निबंधन संख्या का पैसन प्रो बाइक भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार ब्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम शंकर पटेल उम्र 34 पता ग्राम पखनहिया थाना पलनवा जिला पूर्वी चंपारण बताया है। उन्होंने बताया इस मामले में पलनवा थाना में बिहार मद्यनिषेध उत्पाद अधिनियम के तहद कांड संख्या 126/24 दर्ज किया गया है। वही गिरफ्तार व्यक्ति को मोतिहारी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विश्व फिजियोथेरेपी डे पर ईलाज से ठीक हुए मरीजों को किया गया सम्मानित

बीएनएम। अरेराज

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस के अवसर पर रविवार को एसएसएन फिजियोथैरेपी सेंटर अरेराज में उपचार से ठीक हुए मरीज को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह का उद्घाटन गोविंदगंज विधायक सुनील मणि तिवारी ने केक काटकर किया। सम्मान समारोह के उद्घाटन भाषण में विधायक श्री तिवारी ने कहा कि आजकल की लाइफस्टाइल में भाग दौड़ के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो रही है। इसके निवारण के लिए फिजियोथेरेपी रामबाण के रूप में साबित हो रहा है। वही संस्थान के संचालक डॉ. अविनाश कुमार मिश्रा ने कहा कि फिजियोथेरेपी यूं तो आधुनिक चिकित्सा पद्धति मानी जाती है। लेकिन भारत में सदियों से चले आ रहे मालिश व कसरत के नुस्खे का ही यह मिला-जुला रूप है। मानसिक तनाव, घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए

या चीरा लगवाए फिजियोथेरेपी एक असरदार तरीका है। मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों के झंझट से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं। क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है। इस अवसर पर उपचार से स्वस्थ हुए मैरिज अशोक चौरसिया, शबनम खातून, सायरा खातून, प्रिंस कुमार, अनुराग कुमार सहित कई मरीजों को डॉक्टर श्री मिश्रा ने मोमेंटो देखकर तो विधायक श्री तिवारी ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर डॉ. राहुल कुमार पांडेय, डॉ. आलोक कुमार ठाकुर, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. आफताब आलम, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अविनाश गर्ग, भवानी पैथोलॉजी के महेश कुमार गुप्ता, गर्वित जांच घर के प्रभात कुमार, संस्थान के सहायक चिकित्सक प्रीति तिवारी, रंजना तिवारी, बसंत कुमार पांडेय, धीरज कुमार तिवारी सहित कई चिकित्सक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

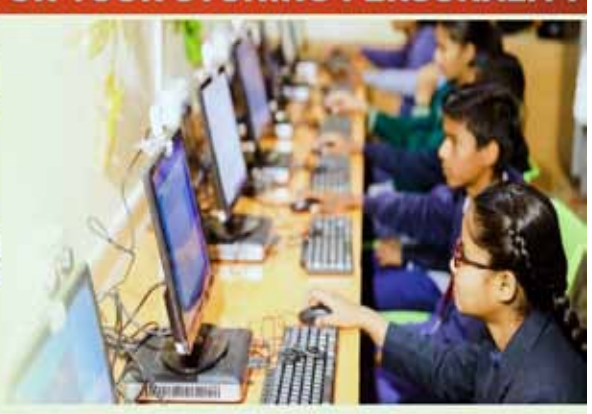

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता।

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

ललित गर्ग

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है। कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में

दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे। 'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। चुनाव आते ही वोटरों को लुभाने के लिए जिस तरह राजनीतिक दल और उनके नेता वायदों की बरसात करते हैं, यह शासन-व्यवस्थाओं को गहन अंधेरों में धकेल देता है। मुफ्त की संस्कृति को कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकी जाती रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिये यह मुक्त संस्कृति एक अभिशाप बनती जा रही है। सच भी है कि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं। मुफ्त 'रेवड़ी' व कल्याणकारी योजनाओं में संतुलन कायम करना आवश्यक है, परंतु वोट खिसकने के डर से राजनीतिक दल इस बारे में मौन धारण किये रहते हैं, बल्कि न चाहते हुए भी इसे प्रोत्साहन भी देते हैं। फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने एवं राजनीतिक धरातल मजबूत करने का हथियार हैं। मुफ्त उपहार के मामले में कोई भी देश पीछे नहीं है। ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, कनाडा, अंगोला, कीनिया, कांगो, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देश इस दौड़ में शामिल हैं। विकसित देश जहां अपनी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक लोककल्याण योजनाओं में खर्च करते हैं, तो विकासशील देश जीडीपी का 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक फ्रीबीज के नाम पर खर्च कर देते हैं। भारत में अब जब न्यायालय की चौखट पर यह मुद्दा विचाराधीन है, तो संभावना है कि सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार डालने वाली घोषणाओं पर नियंत्रण को लेकर कोई राह भारत ही दुनिया को दिखाए।

किसी को अपना बनाने के लिए हमारी सारी खूबियां भी कम पड़ जाती हैं, जबकि किसी को खोने के लिए एक कमी ही काफी है

\- अज्ञात

मित्रों का चुनाव सावधानी से करें क्योंकि हमारे व्यक्तित्व की झलक हमारे उन मित्रों से भी मिलती हैं जिनकी संगत से हम दूर रहते हैं।

\- कहावत

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि षष्ठीः, सोमवासरे, 4/46 विशाखा नक्षत्रे 21/51 वैश्य योगे, तैतिल करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, श्री सूर्य षष्ठी, चंपा षष्ठी, सूती स्नान, वाहन क्रय, व्यापार मुर्हूत, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, दूध डेरी वाला, चूना माइन्स वाल, व्यापारी चूना-छुई बेचने वाला तथा डोलोमाइट, हीरा-जरकिन, डायमण्ड का व्यापारी होगा।

मेष राशि - किसी के द्वारा धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय, व्यर्थ परिश्रम होगा।

वृष राशि - समय अनुकूल नहीं, लेनदेन के मामले स्थिगित रखें तथा अपवाद बन सकता है ध्यान दें।

मिथुन राशि - व्यर्थ समय जाये, यात्रा के प्रसंग में थकावट, बेचैनी बनी ही रहेगी, उत्साहहीन कार्य होगें।

कर्क राशि - प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने पर ही कुछ सफलता मिलेगी, साधन जुटायें।

सिंह राशि - परिश्रम से कार्य पूर्ण होगें, तर्क-वितर्क में विजय होवे, सफलता मिले, धन लाभ होगा।

कन्या राशि - व्यावसायिक कार्यकुशलता से संतोष होगा, अर्थव्यवस्था अनुकूल बनेगी, ध्यान दें।

तुला राशि - किसी तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, मन उद्विग्नता से परेशान रहेगा, मित्रों से लाभ।

वृश्चिक राशि - परिस्थिति में सुधार होते हुए फलप्रद कार्य होगा किन्तु कार्यविफलत्व हो सकेगें ध्यान दें।

धनु राशि - स्त्री वर्ग से उल्लास इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य बन जायेंगे।

मकर - स्वभाव में क्लेश व अशांति, व्यर्थ विभ्रम-भय तथा उद्विग्नता बनी ही रहेगी।

कुंभ राशि - कार्यगति अनुकूल, चिन्ताए कम होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायें।

मीन राशि - आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद अवश्य होगा।

कब पीछा छोड़ेगा ये 370 का आंकड़ा ?

राकेश अचल

कुछ चीजें जाने-अनजाने गले पड़ जातीं हैं तो पीछा नहीं छोड़तीं ,ठीक उसी तरह जिस तरह की कुछ भूत मरने-मारने के बावजूद सर से नहीं उतरते। उन्हें उतरने के लिए लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ती है। अनचाही चीजों से पिंड छुड़ाने के लिए भी लम्बी मशक्कत करना पड़ती है। इस समय भाजपा के सिर पर दस साल से कांग्रेस का भूत और गले में धारा 370 हड्डी की तरह फंसी हुई है। तीसरी बार देश की सत्ता में आई भाजपा के साथ पहली बार मेरी सहानुभूति उमड़ रही है। आखिर भाजपा ने सत्ता में आने के लिए ,एक नया युग [मोदी युग] शुरू करने के लिए बहुत पापड बेले तब कहीं जाकर 34 साल बाद सत्ता में आयी थी। दुर्भाग्य ये है कि भाजपा लगातार पापड़ बेल रही है, लेकिन खुद खा नहीं पा रही। जिस धारा 370 को हटाने में भाजपा को एक लम्बी यात्रा करना पड़ी। वो ही धारा 370 अब फिर से जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के आते ही एक बार फिर गले पड़ गयी है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कह रहा है कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में न आयी तो जम्मू-कश्मीर को धारा 370 फिर से लौटा दी जाएगी। आपको याद होगा कि चार महीने पहले ही सम्पन्न आम चुनावों में भाजपा ने अपने लिए 370 और अपने गठबंधन के लिए 400 पार का लक्ष्य रखा था,किन्तु देश की जनता ने भाजपा को दोनों ही लक्ष्य पूरे नहीं करने दिए। भाजपा 240 पर ही अटक गयी। भाजपा ने जैसे-तैसे इस दर्द को ,इस आंकड़े को भुलाने की कोशिश की थी किन्तु जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव घोषित होते ही समूचे विपक्ष ने एक बार फिर धारा 370 की वापसी का राग अलापकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दीं है । मुश्किलें कम करने और मुश्किलें बढ़ाने में बड़ा अंतर है। भाजपा को लगा कि धारा 370 हटाने के बाद सीमा पर कर किसी खाई में गिरकर मर गयी होगी,लेकिन ऐसानहीं हुआ । वो तो जहाँ थी,वहीं आज भी है ,केवल उसे जम्मू-कश्मीर से हटा दिया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि यह दर्जा कौन वापस दे सकता है ? यह दर्जा तो सिर्फ भारत सरकार दे सकती है, प्रधानमंत्री दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको दलित और गुज्जर बकरवाल भाइयों के रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे। अपने पुराने सियासी कश्मीरी दोस्तों को इंगित कर अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार ने जम्मू कश्मीर को लूटा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला को मत जिताना नहीं तो जम्मू कश्मीर का विकास रुक जाएगा। जम्मू कश्मीर के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ध्वज, एक संविधान के तहत पहला चुनाव हो रहा है। कांग्रेस तो छोड़िये अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम रहे उमर अब्दुल्ला ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधा चैलेंज देते हुए आर्टिकल 370 को वापस लाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीते तो अनुच्छेद 370 को दोबारा लागू करेंगे। इसके लिए वक्त लगेगा, लेकिन यह होकर रहेगा। 370 हटने के बाद जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव पहली बार होने जा रहे हैं तब इसकी गूंज और जोर से सुनाई पड़ रही है। हमें पता हैं कि धारा 370 को हटाना न आसान था और अब तो दोबारा लागू करना और भी मुश्किल है।इसीलिए मई मुश्किल शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूँ,असम्भव का नहीं। आपको याद होगा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 5 अगस्त 2019 को सीओ 272 जारी किया था। राष्ट्रपति का यह वह आदेश था जिसके जरिए संविधान के अनुच्छेद 367 को संशोधित किया गया। इसमें कहा गया कि अनुच्छेद 370 (3) में उल्लेखित संविधान सभा की जगह इसे विधानसभा कहा जाएगा। इससे ही 370 हटाने का रास्ता साफ हुआ। लेकिन भाजपा ने धारा 370 को संविधान से विलोपित शायद नहीं किया है ,और अब शायद ऐसा करने का समय भी नहीं है और कूबत भी नहीं है। इसलिए इस धारा को लेकर जम्मू -कश्मीर का अवाम देश की मुख्यधारा में वापस आएगा या नहीं ,इसमें संदेह है। हम धाराओं के साथ बहने वाले लोग नहीं है। हमें धारा के विपरीत अपना रास्ता तय करने की आदत है ,लेकिन हमें फ़िक्र भाजपा की है ,उसके तनाव की है और उसकी चुनौतियों की है ,क्योंकि पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा हो चुका है। नेतृत्व को लेकर असंख्य विवाद भी हैं। देश--काल परिस्थितियों में भी तेजी से तब्दीली आ रही है। सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा अपने आपको समय के हिसाब से ढाल नहीं पा रही । भाजपा आज भी हिन्दू-मुसलमान पर अड़ी है । भाजपा के संल्प पत्र में भी यही हुआ । घाटी के लिए भाजपा ने ऐसी एक भी योजना नहीं बनाई जो वहां के किसी मुस्लिम नेता के नाम पर हो। हम तो रामसेवक लोग है।

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के. सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी। पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से IIT/ NIT या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए। आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे। कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है। देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए ज़रूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आज़ादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ॰ गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, " छुप- छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।" सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है । जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी। कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25% अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36% अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

ललित गर्ग

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है-'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं। भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है -'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-निरोगी-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे। तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना-अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है-'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कृषि विज्ञान में कॅरियर की संभावनाएं

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है और इसकी संपत्ति के सबसे बड़े स्रोतों में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है- भूमि की पैदावार। देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 29.4 प्रतिशत है। इससे करीब 64 प्रतिशत सेवा क्षेत्र जुड़ा है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में वर्ष दर वर्ष कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

कृषि विज्ञान आधारित उच्च प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इसमें रोजगार संभावनाएं हैं। पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिक्री व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि के रूप में कृषि क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है।

कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है। कृषि विज्ञान के प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान भाग हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादन तकनीकें जैसे सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अंतिम- उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे मिट्टी निम्नीकरण, कचरा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार सैद्धांतिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाय ज्यादा प्राकृतिक रिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा ज्यादा दीर्घकालिक होती हैं

न घबराएं ग्रुप इंटरव्यू से

सिंगल इंटरव्यू की बजाय आजकल कंपनियां ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें रिक्रूटिंग मैनेजर्स का बोर्ड कैंडिडेट का इंटरव्यू लेता है। अगर आप कुछ बातों का ख्याल रखें, तो इसे आसानी से क्लियर कर सकते है। नए फाइनैंशल ईयर में तमाम कंपनियां अपने रिक्रूटिंग प्रोसेस को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कुछ ऑर्गनाइजेशंस ने काफी संख्या में रिक्रूटमेंट करने के संकेत भी दिए थे। हालांकि अब कंपनियां वन बाई वन इंटरव्यू की बजाय ग्रुप इंटरव्यू का कॉन्सेप्ट फॉलो कर रही हैं। इसके पीछे कंपनी के पास तमाम रीजन हैं। उनका मानना है कि इस तरह के इंटरव्यू में कम टाइम लगता है, क्योंकि एक कैंडिटेट को एक साथ तमाम लोग परखते हैं। अगर एक इंटरव्यूअर एक कैंडिडेट का इंटरव्यू करने में आधा घंटे का वक्त लगाता है, तो उनका ग्रुप कुछ मिनटों में ही कैंडिडेट की एबिलिटी जांच लेता है। इसके अलावा, मैनेजर्स के ग्रुप के पास कैंडिडेट के बारे में डिस्कस करने का भी ऑप्शन होता है, जबकि अकेले इंटरव्यूअर के पास ऐसा कोई ऑप्शन नहीं होता।

करना होगा कुछ खास

बेशक, वन बाई वन इंटरव्यू और ग्रुप इंटरव्यू में कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं होता, बावजूद इसके कैंडिडेट्स को इस नए कॉन्सेप्ट के लिए कुछ खास तैयारियां करने की जरूरत होती है। एक्सपर्ट्स की अगर मानें, तो ग्रुप इंटरव्यू को बिजनेस मीटिंग की तरह ट्रीट करना चाहिए। आपको यह मानना चाहिए कि वहां इंटरव्यूअर आपके क्लाइंट हैं। बेशक, इस खास तरह के इंटरव्यू में आपका सामना न सिर्फ अलग-अलग तरह के लोगों से होगा, बल्कि वे आपसे असहमत भी हो सकते हैं। हालांकि अगर आप कुछ रूल्स को फॉलो करें, तो आप इसे क्लियर करके जॉब हासिल कर सकते हैं।

बैंकिंग सक्सेस के लिए जीके भी जरूरी

जीके या जनरल अवेयरनेस के बिना आप कोई भी कॉम्पिटीटिव एग्जाम पास करने की सोच भी नहीं सकते। बैंकिंग एग्जाम्स के लिए भी यही बात लागू होती है। जनरल अवेयरनेस के तहत इकॉनमी, जियोग्राफी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स आदि सब्जेक्ट्स काफी अहमियत रखते हैं और एग्जाम्स में इनसे ही संबंधित नेशनल और इंटरनेशनल लेबल के सवाल ज्यादा पूछे जाते हैं। दायरा बड़ा या यूं कहें कि अनलिमिटेड होने के कारण इस सब्जेक्ट की तैयारी करना हर किसी के लिए बड़ी चुनौती होती है। सवालों को लेकर कयास भी नहीं लगाए जा सकते हैं। कहीं से कुछ भी पूछा जा सकता है। बैंक एग्जाम्स की बात करें तो इस सब्जेक्ट का फोकस उन टॉपिक्स पर ज्यादा होता है, जिनका बैंकिंग और इकॉनामी से वास्ता होता है क्योंकि बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों का इनसे ही वास्ता पड़ता है और एग्जाम में यही देखा जाता है कि इनमें स्टूडेंट्स की कितनी समझ है? वैसे तो इस सब्जेक्ट की तैयारी के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उसने सब कर लिया है, लेकिन अपने आप को देश-दुनिया की घटनाओं से अपडेट रख अपने लिए जमीन जरूर तैयार कर सकते हैं।

आपकी सफलता बहुत हद तक जनरल अवेयरनेस पर डिपेंड करती है। इसकी कई वजहें हैं। अव्वल तो यह कि हर एग्जाम में इसके अंक काफी होते हैं। दूसरा यह कि जनरल अवेयरनेस के सवालों को हल करने में बहुत ही कम समय लगता है। इसलिए आप इस सेक्शन में समय बचा कर अन्य सेक्शन में लगा सकते हैं। एग्जाम में भी इस सेक्शन को पहले करने की जरूरत होती है। जो लोग पहले दूसरे सेक्शन करते हैं, वे अक्सर समय न मिलने के कारण सवाल छूटने की शिकायत करते हैं। अन्य सेक्शन में अच्छा होने और अच्छा करने के बावजूद बहुतों के लिए एग्जाम में फेल होने का यह भी एक कॉमन रीजन है।

इकॉनामी और फाइनेंस

बैंकों के एग्जाम के लिए जनरल अवेयरनेस की तैयारी कर रहे हैं तो फोकस इकानॉमी और फाइनेंस पर ही रखें। आपसे कुछ भी पूछा जा सकता है। वर्ल्ड बैंक और एडीबी से लेकर रिजर्व बैंक तक के बारे में। नामी कंपनियों और उनके प्रदर्शन से भी खुद को वाकिफ रखें। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले टर्म और शब्द संक्षेप पर भी पकड़ बनाएं। हिस्ट्री, पॉलिटिक्स और खेल की भी अच्छी तैयारी रखनी चाहिए।

रेग्युलर बनें

जनरल अवेयरनेस की तैयारी को काफी लोग हल्के में लेते हैं। लोग मान लेते हैं कि बैंक के लिए रीजनिंग और मैथ्स अहम है, जनरल अवेयरनेस नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है और यह भी नहीं है कि आप इस सब्जेक्ट की तैयारी थोड़े दिनों में कर सकते हैं। सबसे पहले तो जरूरत है चीजों को समझने की। अगर बैंकिंग और फाइनैंस के टर्म्स आप समझ जाएंगे तो बाद में आसानी से खुद को अपडेट रख सकते हैं। किसी अन्य चीज की तरह इस सब्जेक्ट में अच्छा करने के लिए भी नियमितता जरूरी है। करंट अफेयर्स से खुद को अपडेट रखने का रूटीन बनाएं इसलिए तैयारी अडवांस में ही शुरू कर देनी चाहिए। ऐसा करते खुद और दूसरों में अंतर देख सकते हैं। खुद को अपडेट रखने के लिए सबसे पहले तो न्यूज पेपर्स का सहारा लें। इसके अलावा करंट अफेयर की एक दो अच्छी पत्रिका भी नियमित रूप से पढ़ें। जनरल अवेयरनेस के सवालों का जायजा आप पिछले एग्जाम्स के सवालों से ले सकते हैं। एक और बात भी ठीक तरह समझ लें कि जनरल अवेयरनेस की तैयारी के लिए आप किसी एक बुक के सहारे नहीं रह सकते हैं। बाजार में हर जरूरत के हिसाब से काफी पुस्तकें और मैगजींस आ रही हैं। आप उनमें से कुछेक के नियमित पाठक बन सकते हैं। इस क्रम में समाचार चैनलों और इंटरनेट का भी सहारा लिया जा सकता है। नेट पर भी अब हिंदी और इंग्लिश, दोनों भाषाओं के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी काफी कुछ उपलब्ध है।

जर्नलिज्म, बेस्ट कॅरियर

इन दिनों ज्यादातर युवाओं के लिए मीडिया आकर्षक कैरियर बनता जा रहा है। यदि लिखने-पढ़ने के शौकीन हैं और आपकी कम्युनिकेशन स्किल बढ़िया है, तो मीडिया आपके लिए बेस्ट कैरियर साबित हो सकता है।
दरअसल, आज मीडिया का काफी विस्तार हो चुका है। न केवल अखबार, टीवी और रेडियो, बल्कि इंटरनेट, मैग्जींस, फिल्म भी इसके विस्तारित क्षेत्र हैं। करेंट इवेंट्स, ट्रेंड्स संबंधित इन्फॉर्मेशन कलेक्ट करना, एनालाइज करना आदि जर्नलिस्ट के मुख्य काम हैं।

ज्यादातर इंस्टीट्यूट्स एंट्रेंस एग्जाम आयोजित करते हैं। इसमें रिटेन टेस्ट, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन भी होता है। लिखित परीक्षा में स्टूडेंट्स के राइटिंग स्किल्स, जेनरल अवेयरनेस, एनालिटिकल एबिलिटी और एप्टीट्यूड की जांच की जाती है। एमसीआरसी के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर ओबेद सिद्दीकी के अनुसार, एंट्रेंस एग्जाम के लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी होती है। टेस्ट के माध्यम से एप्लीकैंट के सोशल, कल्चरल और पॉलिटिकल इश्यू संबंधित ज्ञान को परखा जाता है।

करेंट अफेयर्स की जानकारी एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म के प्रोफेसर संपत कुमार कहते हैं कि जर्नलिज्म के लिए जरूरी तत्व है- करेंट न्यूज पर आपकी पकड़। ऐसे कैंडिडेट ही अच्छे जर्नलिस्ट बनते हैं, जिन्हें न्यूज की अच्छी समझ होती है और जिनकी राइटिंग स्किल बढ़िया होती है। साथ ही, उनका अपने पेशे के प्रति कमिटमेंट होना भी जरूरी है। दरअसल, किसी भी खबर का विश्लेषण कर उसे सरल रूप में पेश करना ही मास कम्युनिकेशन का मुख्य उद्देश्य होता है। यदि आप इस पेशे में सफल होना चाहते हैं, तो न्यूज पेपर्स, मैग्जींस और करेंट अफेयर्स संबंधित बुक्स जरूर पढ़ें।

इंटरव्यू है असली परीक्षा: दिल्ली यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर करने के बाद मैं पीजी करना चाहता था। मैं प्रतिदिन एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए दो लीडिंग न्यूजपेपर्स और कई मैग्जींस पढ़ा करता था। एंट्रेंस एग्जाम राइटिंग स्किल और सामयिक घटनाओं के प्रति आपकी जागरूकता की जांच के लिए किए जाते हैं। इसमें सफल होना आसान है। असली परीक्षा इंटरव्यूज के दौरान होती है। इस दौरान आपके न्यूज सेंस, कम्युनिकेशन स्किल और पेशेंस की भी जांच-परख होती है। यदि आप दब्बू किस्म के इंसान हैं या जल्दी अपना धैर्य खो देते हैं, तो आपको इस क्षेत्र में सफलता नहीं मिल सकती। इसलिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट नजरिया बनाना होगा कि आपका स्वभाव इस पेशे के अनुकूल है या नहीं।

पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने को साबित किया

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो पैरालंपकि से भी अधिक पदक जीतकर एक बार फिर अपने को साबित कर दिया है। टोक्यो में जहां 19 पदक मिले थे। वहीं पेरिस में 25 से ज्यादा पदक मिले हैं। पैरालंपिक खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण जीत लिए हैं। पेरिस ओलंपिक में भारत को एक भी स्वर्ण पदक के अलावा कुल 7 पदक से ज्यादा नहीं मिले हैं। 7 पदक टोक्यो ओलंपिक में मिले थे। दूसरी ओर पैरा खिलाड़ियों ने पदकों की जबरदस्त छलांग लगायी हैं। पैरालंपकि में शामिल खिलाड़ियों की संख्या भी ओलंपिक से काफी कम है। रयिो में भारत के 19 पैरा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 2 स्वर्ण सहित पदक सहित 4 पदक जीते। इसके बाद टोक्यो पैरालंपकि में भारत के 54 पैरा एथलीट्स उतरे और इसमें भारत ने 5 स्वर्ण सहित 19 पदक जीते। वहीं पेरसि पैरालंपकि में एथलीट्स की संख्या बढ़कर 84 हुई तो पदक भी बढ़े हैं। पेरिस में जहां भारत ने 12 खेलों में हिस्सा लिया। वहीं

टोक्यो में भारतीय खिलाड़ी 9 खेलों में ही उतरे थे। भारत ने पेरिस में तीन नए खेलों पैरा-साइक्लिंग, पैरा-रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी भाग लिया और पदक जीते। वहीं इस बार महिला एथलीटों ने पुरुषों से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया। टोक्यो में जहां सभी चार बैडमिंटन पदक पुरुषों प्रमोद भगत, कृष्णा नागर, सुहास यथिराज और मनोज सरकार ने जीते थे। वहीं इस बार पेरिस में तीन महिला खिलाड़ियों थुलासिमथी मुरुगेसन, नित्या श्री सिवन और मनीषा रामदास ने पदक जीते। वहीं केवल दो पुरुष् खिलाड़ी ही पदक जीत पाये। इस बार भारत की 9 महिला खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं। पैरालंपिक में बेहतर प्रदर्शन के पीछे खिलाड़ियों की लगन औ जज्बे के अलावा बेहतर कोचिंग और समर्थन रहा। इसके अलावा खेलों में बढ़ती भागीदारी और बेहतर ट्रेनर और सपोर्ट स्टाफ का भी लाभ मिला। इसके अलावा बेहतर खेल विज्ञान और कोचिंग का इस्तेमाल हुआ। इससे जिससे पैरा-एथलीटों को अपनी क्षमता को अधिकतम करने में सहायता मिली। हाल के वर्षों में भारत सरकार और पैरालंपिक समिति ने पैरा एथलीटों की पहचान, प्रशिक्षण और सपोर्ट के लिए ठोस कदम उठाए है उससे भी लाभ हुआ है। इसमें विशेष रूप से पैरा-स्पोर्ट्स के लिए बढ़ी हुई फंडिंग, कोचिंग संसाधन और बुनियादी ढांचा शामिल है। पेरिस पैरालंपिक के लिए 74 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जबकि टोक्यो पैरालंपिक चक्र के लिए 26 करोड़ रुपये ही थे। खेल मंत्रालय के दखल के बाद पैरालंपकि में खेलों की भागीदारी बढ़ी है! ट्रेनर और सपोर्ट स्टाफ भी बढ़ा है।

घरेलू हालातों के कारण स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना होता है मुश्किल : एजाज

ग्रेटर नोएडा। न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल इंग्लैंड के जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले के बाद एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। इसके बाद भी एजाज अब तक 16 टेस्ट ही खेल पाये हैं। इसमें उन्होंने 5 के औसत से 62 विकेट लिए हैं। इसी को लेकर इस स्पिनर का दर्द फूट पड़ा। एजाज ने कहा कि एक पारी में दस विकेट लेने के बाद भी उसे खेलने का काफी कम अवसर मिला है। एजान ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले कहा कि न्यूजीलैंड के घरेलू हालात तेज गति के अनुकूल होने के कारण स्पिनरों को मुश्किल से अवसर मिल पाता है। इसके बाद भी स्पिनर जब भी अवसर मिलते हैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं। अजाज ने कहा कि, मुझे लगता है कि यदि आप न्यूजीलैंड के सभी स्पिनरों से पूछें, तो वे भी कहेंगे

कि घरेलू परिस्थितियों के कारण घर पर कई अवसर प्राप्त करना मुश्किल होता है पर मुझे यह भी लगता है कि जब आप इस तरह की घरेलू परिस्थितियों में आते हैं तो बेहतर प्रदर्शन की अधिक चाहत होती है। आप हालातों को जानते हैं यह स्पिन के अनुकूल है। आप वहां जाने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार होते हैं। यह वास्तव में खेल में जाने और हालातों का आनंद लेने के बारे में है। एजाज ने कहा कि एक पेशेवर माहौल में खिलाड़ियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बाहर जाएं और अपने खेल में सुधार करते रहें और आगे बढ़ते रहें। मुझे लगता है कि 10 विकेट के बाद हां, आप निश्चित रूप से थोड़ा निराश हैं क्योंकि आपको अधिक अवसर नहीं मिलते हैं, लेकिन साथ ही, एक खिलाड़ी के रूप में, यह अभी भी आपके खेल को बढ़ाने के बारे में है। मैंने 10 विकेट लेने के बाद अपना रन अप थोड़ा बदला है। यह हमेशा सुधार करने के बारे में है और यह हमेशा यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि अगला अवसर आने पर आप तैयार हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेलना हमेशा सौभाग्य की बात है और निश्चित रूप से अपने देश के लिए खेलना कभी नहीं आसान है और उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा काफी खास होता है।

मुशीर के भविष्य में बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरने की संभावना : दहिया

बेंगलुरु। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया ने दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवा क्रिकेटर मुशीर खान की प्रशंसा की है। दहिया ने कहा कि मुशीर भविष्य में एक बेहतर क्रिकेटर बन सकता है क्योंकि वह मजबूत मानसिकता वाला खिलाड़ी है। ऐसे में अगर वह निरंतरता बनाए रखता है तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह का दावेदार बन जाएगा। मुशीर ने बेंगलुरु में चल रहे दलीप ट्रॉफी में भारत बी की ओर से शानदार शतक लगाया है। मुशीर की इस पारी से उनकी टीम भारत ए के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। जब मुशीर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे तो टीम ने 100 रनों के अंदर ही सात विकेट खो दिये थे पर मशीर ने दबाव के बीच भी रन बनाते हुए टीम का 300 रनों से ऊपर पहुंचा दिया। मुशीर की इसी बल्लेबाजी से प्रभावित दाहिया ने कहा, 'मुशीर को उनकी मानसिकता सबसे अलग बनाती है क्योंकि वह इसमें मजबूत दिखता है। मेरा माना है कि वह इसी प्रकार लगातार रन बनाता रहा तो वह भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है। मुशीर की निरंतरता से भी दहिया प्रभावित हैं। उन्होंने कहा,

'उनकी बल्लेबाजी की सबसे खास बात रन बनाने में निरंतरता है। उसने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में रन बनाए और फिर में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन ही शतक लगा दिया। दहिया ने कहा, 'मुशीर ने बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर शुरूआत करते हुए बल्लेबाजी में भी अपनी जगह बना ली है। इससे पता चलता है कि अगर मेहनत से कोई चीज की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है।

संन्यास के बाद कोच बनेंगे स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की तरह ही कोच बन सकते हैं। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ही कोचिंग का काम शुरु किया था। मैकुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया हालांकि इससे पहले वह कई जगह कोच रहे हैं। स्टोक्स और मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छी बांडिंग हैं। दोनों ही मिलकर इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैजबॉल के नाम से लोकप्रिय हुई आक्रामण रणनीति लाये हैं। इसी को देखते हुए माना जा रहा है कि अब स्टोक्स संन्यास के बाद मैकुलम की ही राह पर चलेंगे। स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें संन्यास के बाद भी क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा। इसी कारण वह कोच के तौर पर खेल से जुड़े रहेंगे। स्टोक्स ने कहा कि मैं ऐसे लोगों में नहीं हूं जो खेलना छोड़ देने के बाद क्रिकेट से जुड़े न रहें। मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि ये खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है। जब मैं खेलना छोड़ दूंगा तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा। स्टोक्स ने एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास ले लिया था पर एकदिवसीय विश्वकप 2023 से ठीक पहले उन्होंने खेल में वापसी कर ली थी।

पैरालंपिक खेल : भारत के नवदीप का रजत पदक स्वर्ण में बदला

- ईरानी खिलाड़ी फाइनल के बाद आयोग्य घोषित हुआ

पेरिस। ईरान के बेत सयाह सादेघ को पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में अयोग्य घोषित कर दिया है। इसी के साथ ही भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह का रजत पदक स्वर्ण में बदल गया। इस प्रकार पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत को पहला स्वर्ण पदक मिल गया है। इस मुकाबले में नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा पर उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ ही जबरदस्त वापसी की। वहीं सादेघ ने 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया पर उन्हें बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए पैरालंपिक समिति ने अयोग्य घोषित कर दिया। नवदीप ने अपने तीसरे थ्रो में 47.32 मीटर भाला फेंका। वहीं ईरानी खिलाड़ी सादेघ ने अपने पांचवें प्रयास में 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो करते हुए स्वर्ण के लिए दावेदारी कर दी पर फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप को शीर्ष

स्थान के साथ ही स्वर्ण मिल गया। सयाह को चेतावनी के बाद भी बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के कारण अयोग्य घोषित किया गया। इस प्रकार अपनी ही गलतियों से इस खिलाड़ी के साथ ही स्वर्ण फिसल गया। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियमों के अनुसार एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत नहीं देना होता है। ऐसे में सयाह को गतत आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था। इस स्पर्धा का रजत पदक अब चीन के सन पेंगजियांग 44.72 मीटर भाला फेंकने वाले को मिला जबकि कांस्य पदक इराक के नुखाइलावी वाइल्डन 40.46 मीटर को मिला।

व्यापार

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में गिरावट, रिलायंस देश की मोस्ट वैल्यूड कंपनी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में कुल 2.01 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। हालांकि टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 17,915 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी भी हुई। एक्सचेंज की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबारी सप्ताह के दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) दूसरे स्थान पर रही। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 60,824.68 करोड़ रुपये घट कर 19,82,282.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 34,136.66 करोड़ रुपये घट कर 16,12,762.51 करोड़ रुपये रह गया। इन दोनों कंपनियों के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट

एक सप्ताह में 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.01 लाख करोड़ की कमी

कैप 29,495.84 करोड़ रुपये घट कर 6,98,440.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 28,379.54 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,76,207.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप में गिरावट के मामले में इंफोसिस पांचवें स्थान पर रही, जिसका मार्केट कैप 17,061.44 करोड़ रुपये कम होकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 16,381.74 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,57,009.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 15,169.76 करोड़ रुपये घट कर 8,51,204.65 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 250.11 करोड़ रुपये घट कर 6,27,337.65 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इन 8 कंपनियों के अलावा टॉप 10 में शामिल दो अन्य कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान कुल मिला कर 17,915.13 करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 14,179.78 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये हो गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,82,282.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 16,12,762.51 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,47,941.78 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 8,76,207.58 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,51,204.65 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,89,819.06 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,98,440.13 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 6,66,919.73 करोड़ रुपये), एलआईसी (कुल मार्केट कैप 6,57,009.14 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 6,27,337.65 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से नौवें स्थान पर बने रहे।

शेयर बाजार को लेकर निवेशकों में बढ़ा रुझान, देश में डीमैट अकाउंट की संख्या 17 करोड़ के पार पहुंची

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होने का संकेत देश में लगातार बढ़ रहे डीमैट अकाउंट की संख्या से मिलता है। अगस्त महीने में देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या पहली बार 17 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई। अगस्त में देश में 42.30 लाख डीमैट अकाउंट खोले गए। इस तरह देश में अभी तक खोले गए डीमैट अकाउंट की कुल संख्या 17.11 करोड़ हो गई है। डिपॉजिटरी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के पहले जुलाई के महीने में 44.44 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे। इस तरह मासिक आधार पर नए खुलने वाले डीमैट अकाउंट की संख्या में अगस्त के महीने के दौरान 2.14 लाख की कमी जरूर आई लेकिन सालाना आधार पर इसमें 11.30 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके

पहले अगस्त 2023 में 31 लाख में डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस साल जून महीने में ही देश में डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़ कर 16 करोड़ हो गई थी। इसके दो महीने बाद ही अगस्त के महीने में इस संख्या में एक करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। जनवरी 2023 से लेकर अगस्त 2024 के बीच 6.28 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इनमें साल 2024 में जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 3.18 करोड़ नए डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इसके पहले साल 2023 में जनवरी से दिसंबर तक कुल 3.10 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस तरह इस साल 8 महीने की अवधि में ही नए डीमैट अकाउंट खुलने का आंकड़ा 2023 के आंकड़े से आगे निकल गया है। उल्लेखनीय है कि डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सिक्योरिटी मार्केट में ट्रेडिंग करने के लिए किया जाता है। इस अकाउंट में शेयर के साथ ही म्युचुअल फंड, बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे सिक्योरिटीज को डिजिटल फॉर्म में रखा जाता है। शेयरों की खरीद बिक्री के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी होता है।

फूलेगा चीन का दम! सेमीकंडक्टर हब बनने की ओर भारत

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की एक समिति ने 10 अरब (83,947 करोड़) के बड़े निवेश प्रस्ताव को हरी झड़ी दे दी है। यह परियोजना टावर सेमीकंडक्टर और अडानी ग्रुप के बीच साझेदारी में संचालित होगी। दोनों कंपनियां मिलकर एक जॉइंट वेंचर बनाएंगी जो महाराष्ट्र के पनवेल में एक सेमीकंडक्टर चिप निर्माण फैक्ट्री की स्थापना करेगी। यह सेमीकंडक्टर निर्माण यूनिट नवी मुंबई के रायगढ़ जिले में होगी। पहले चरण में इसकी क्षमता 40,000 वेफर स्टार्ट्स प्रति माह (डब्ल्यूएसपीएम) होगी, और परियोजना के पूरा होने पर कुल क्षमता 80,000 डब्ल्यूएसपीएम तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल मोदी सरकार ने राज्यों को अपने सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करने की स्वतंत्रता दी है, लेकिन केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रोत्साहन की उम्मीद रखने वाले सभी आवेदकों को आईएसएम से अनुमति प्राप्त करनी होती है। यदि इस परियोजना को मंजूरी मिलती है, तब यह भारत की दूसरी चिप मैन्युफैक्चरिंग सुविधा और भारत का छठा सेमीकंडक्टर संयंत्र होगा जो चिप्स का उत्पादन या परीक्षण और पैकेजिंग करता है। इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्नाटक के मैसूर में

स्थित कंपनी केंस सेमीकंडक्टर द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसमें 3,307 करोड़ की लागत से एक आउटसोर्स्ड असेंबली और टेस्टिंग यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट गुजरात के साणंद में स्थापित होगी और इसकी कुल क्षमता 6.3 मिलियन चिप्स प्रति दिन होगी। वर्तमान में भारत में केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमति प्राप्त पांच सेमीकंडक्टर परियोजनाएं हैं। इसमें एक चिप फैब्रिकेशन यूनिट धोलेरा, गुजरात में निर्माणाधीन है, और चार चिप पैकेजिंग यूनिट शामिल हैं। इन चार में से तीन साणंद, गुजरात में हैं और एक मोरिगांव, असम में स्थित है। इन यूनिट्स में कुल प्रस्तावित निवेश 1.50 लाख करोड़ है।

कमाई के मामले में मार्क जकरबर्ग ने अंबानी और अडानी को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। इस साल मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कमाई के मामले में दुनिया के सबसे अमीर लोगों को भी पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, इस साल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाकर भी मार्क के बराबर कमाई नहीं की है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक मार्क ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.20 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की है। वहीं इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में दूसरा नंबर एनविडिया कंपनी के प्रेसिडेंट जेसन हुआंग का है। जेसन ने इस साल 46.4 अरब डॉलर की कमाई की। मार्क दुनिया के चौथे सबसे अमीर इंसान हैं। इस साल मार्क ने जितनी कमाई की है, उतनी कमाई अंबानी और अडानी ने मिलकर भी नहीं की। अंबानी ने इस साल 14.2 अरब डॉलर की कमाई की। वहीं अडानी की इस साल की कमाई 15.3 अरब डॉलर रही। दोनों ने इस साल कुल 29.5 अरब डॉलर की कमाई की। यह मार्क की इस साल की कमाई से करीब 20 अरब डॉलर कम है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क

मार्क जकरबर्ग ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर कमाए

दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स हैं। इस साल एलन ने 7.73 अरब डॉलर और जेफ ने 17.9 अरब डॉलर की कमाई की। दोनों की कुल कमाई 25.63 अरब डॉलर रही। यह इस साल मार्क की कमाई (50 अरब डॉलर) से काफी कम है। पिछले 24 घंटे में दुनिया के अमीरों की संपत्ति में जबरदस्त गिरावट आई है। मुकेश अंबानी की संपत्ति में 2.14 अरब डॉलर और अडानी की संपत्ति में 1.57 अरब डॉलर की कमी आई है। यह कमी शेयर बाजार में गिरावट के कारण आई। शुक्रवार को शेयर बाजार में एक हजार से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी। इससे अंबानी और अडानी की कंपनियों के शेयर भी गिर गए थे। इसके चलते दोनों की संपत्ति में कमी देखी गई। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में 11वें स्थान पर हैं। अंबानी की नेटवर्थ 111 अरब डॉलर है। वहीं इस लिस्ट में अडानी 13वें स्थान पर हैं। अडानी की नेटवर्थ 99.6 अरब डॉलर है। 237 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। जेफ बेजोस (195 अरब डॉलर) दूसरे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (181 अरब डॉलर) तीसरे स्थान पर, मार्क जकरबर्ग (178 अरब डॉलर) चौथे स्थान पर और बिल गेट्स (157 अरब डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं।

जूनियर एनटीआर के भाई नंदमुरी मोक्षगना तेजा की टॉलीवुड में एंट्री

डेब्यू मूवी से आया फर्स्ट लुक, हनु-मैन का डायरेक्टर बना रहा

टॉलीवुड में अब एक और स्टारकिड नंदमुरी मोक्षगना तेजा की एंट्री हो गई है. नंदमुरी मोक्षगना टॉलीवुड सुपरस्टार नंदमूरी बालकृष्णा के सबसे बड़े बेटे हैं और सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के कजिन. नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर उनकी टॉलीवुड डेब्यू फिल्म से फर्स्ट लुक सामने आया है. इस फिल्म के नाम का एलान नहीं किया गया है. नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू मूवी को प्रशांत वर्मा डायरेक्ट करने जा रहे हैं. फिल्म की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने जा रही है. प्रशांत वर्मा ने मौजूदा साल में सुपरहीरो फिल्म हनु-मैन से सिनेमा में तहलका मचा दिया था. वहीं, प्रशांत वर्मा ने नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर फिल्म से धांसू फर्स्ट लुक शेयर किया है. प्रशांत ने नंदमुरी मोक्षगना को बर्थडे विश कर लिखा है, पूरे सम्मान और जॉय के साथ पेश कर रहे हैं नंदमुरी तारक राव रामा मोक्षगना तेजा, जन्मदिन मुबारक मोक्षू, द पीवीसीयू में आपका स्वागत है, आइए शुरू करते है. इसी के साथ प्रशांत ने नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू फिल्म के लिए उन्हें डायरेक्टर चुने जाने के लिए सुपरस्टार बालाकृष्णा का आभार भी जताया है. प्रशांत ने लिखा है, मुझपर विश्वास करने और आशीर्वाद बनाए रखने के लिए नंदमुरी बालाकृष्णा जी का धन्यवाद करता हूं, आशा करता हूं कि यह प्रोजेक्ट के स्पेशल और शानदार के साथ-साथ यादगार भी बने. नंदमुरी मोक्षगना के बारे में बता दें, वह गुजरे जमाने के सुपरस्टार और जूनियर एनटीआर के दादा एनटी राम राव के पौते हैं. इससे पहले कहा जा रहा था कि वह नंदमुरी मोक्षगना अपना टॉलीवुड डेब्यू अनिल रविपूड़ी के डायरेक्शन में करेंगे, लेकिन नंदमुरी मोक्षगना की फिल्म के एलान के साथ अब इन अटलकों का कोई मतलब नहीं रह गया है. यह भी कहा जा रहा था कि नंदमुरी मोक्षगना साल 1991 में आई फिल्म आदित्य 369 के रीमेक से टॉलीवुड में एंट्री करेंगे. आदित्य 369 नंदमुरी मोक्षगना के स्टार फादर बालाकृष्णा स्टारर फिल्म है. नंदमूरी मोक्षगना ने अपनी डेब्यू फिल्म के लिए शारीरिक तौर पर काफी मेहनत की है. वहीं, एक्टिंग सीखने के लिए नंदमूरी मोक्षगना ने विजाग स्थित सत्यानंद एक्टिंग इंस्टिट्यू में पढ़ाई भी की है. बता दें, यहां, महेश बाबू, प्रभास और पवन कल्याण जैसे सुपरस्टार ने भी एक्टिंग सीखी थी.

एकता कपूर ने बदल दी अनीता हसनंदानी की जिंदगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने खुद पर कंटेंट क्वीन एकता कपूर के आध्यात्मिक प्रभाव के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने तिरुपति बालाजी में विश्वास करना शुरू किया। अनीता टीवी होस्ट और रेडियो उद्घोषक सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट पर दिखाई दीं। वीडियो में दिखाया गया कि सिद्धार्थ अनीता से पूछते हैं, एकता बहुत आध्यात्मिक और धार्मिक है...आप भी उतने हो? अनीता ने जवाब देते हुए कहा, उतनी नहीं हूं, लेकिन उनकी संगत में थोड़ी बहुत हूं। असल में मैंने सिद्धिविनायक मंदिर इसलिए जाना शुरू किया क्योंकि वह जाती हैं। उन्होंने कहा, मुझे तिरुपति बालाजी में आस्था है, क्योंकि वह इसमें आस्था रखती हैं। मैंने अपने जीवन में जो चमत्कार हुए हैं, उन्हें भी देखा है। मैं कुछ स्तर पर आध्यात्मिक हूं। मैंने पत्थर पहनने की कोशिश की, लेकिन अगर दिल ही साफ नहीं हो, तो यह काम नहीं करेगा। सिद्धार्थ ने आगे अनीता के साथ हुए चमत्कारों के बारे में पूछा। अनीता ने कहा, मैंने साउथ में नुव्वु नेनु फिल्म की थी। वो फिल्म अब हिंदी में बनाने जा रहे थे, लेकिन मुझे हिंदी में बनने वाली फिल्म के लिए कास्ट नहीं किया गया। उन्होंने मेरी जगह तूषार कपूर और तारा शर्मा को शामिल कर लिया। उनके इस कदम से मैं काफी निराश थी। इस फिल्म की शूटिंग 25 दिनों तक लगातार हुई। उन्होंने कहा, आप कल्पना कीजिए कि फिल्म का तेलुगू वर्जन में मैंने किया , लेकिन अफसोस हिंदी वर्जन किसी और से कराया जा रहा है, इसलिए मैं तिरुपति बालाजी गई और मैंने प्रार्थना की कि यह फिल्म मुझे मिले। जब मैं मंदिर से आकर अपनी कार में बैठी, तो मुझसे कहा कि वे इस काम के लिए फिट नहीं हैख्? क्या तुम यह करोगी? फिल्म नुव्वु नेनु की शूटिंग फिल्म निर्देशक तेजा द्वारा की गई थी। फिल्म में उदय किरण मुख्य भूमिका में थे, जबकि सुनील, बनर्जी, तनिकेला भरणी, धर्मवरपु सुब्रमण्यम और तेलंगाना शकुंतला अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। तेजा द्वारा निर्देशित 2003 की ये दिल नुव्वु नेनु की आधिकारिक रीमेक थी। उन्होंने 2003 की थ्रिलर कुछ तो है से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया। अनीता निन्ने इष्टपद्दनु, आदंथे एडो टाइप, कृष्णा कॉटेज, सिलसिले, कोई आप सा, जस्ट मैरिड, अहा ना पेलंता!, रागिनी एमएमएस 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। अनीता इन दिनों टीवी शो सुमन इंदौरी में नजर आ रही हैं।

भोजपुरी अदाकारा नीलम गिरी ने देसी अवतार में बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को बनाया लट्टू

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी अपनी अदाओं से लाखों फैंस के दिलों पर राज करती हैं। फैंस न सिर्फ एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन्स के दीवाने हैं, बल्कि एक्ट्रेस का डांस भी उनके बेहद पसंद है। भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अदाकारा नीलम गिरी ने अपने लेटेस्ट वीडियो में एक बार फिर से फैंस का दिल जीत लिया है. इस वीडियो में नीलम देसी अवतार में नजर आ रही हैं और उनकी हॉटनेस ने फैंस

को लट्टू बना दिया है. वीडियो में नीलम ने ब्लैक प्रिंटेड साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना हुआ है. उन्होंने अपने बालों में गजरा लगाया हुआ है और लाइट मेकअप के साथ माथे पर बिंदी लगाई हुई है. नीलम इस देसी अवतार में बेहद खूबसूरत लग रही हैं और उनके एक-एक अंदाज पर फैंस फिदा हो रहे हैं. वीडियो में नीलम एक भोजपुरी गाने पर क्यूट अदाएं दिखा रही हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. फैंस नीलम की इस वीडियो को खूब शेयर कर रहे हैं और कमेंट्स में उनकी तारीफ कर रहे हैं. नीलम गिरी भोजपुरी सिनेमा की एक जानी-मानी अदाकारा हैं. उन्होंने कई हिट भोजपुरी फिल्में दी हैं और अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है. ये पहली बार नहीं है, जब एक्ट्रेस ने कोई वीडियो शेयर किया हो। पहले भी नीलम कई बार अपनी अदाओं से फैंस को पागल कर चुकी हैं। इससे पहले नीलम पिंक कलर के सूट में नजर आई थीं।

आलिया भट्ट की जिगरा के टीजर की रिलीज डेट का एलान

सामने अभिनेत्री के इंटेंस लुक पोस्टर्स

बॉलीवुड की गंगूबाई मौजूद साल में अपनी इकलौती फिल्म जिगरा से आ रही हैं. फिल्म में आलिया भट्ट के जिम्मेदार बहन का रोल प्ले करने जा रही हैं. सुहाना खान की डेब्यू फिल्म द आर्चीज में नजर आए एक्टर वेदांग रैना फिल्म में आलिया भट्ट के भाई का रोल प्ले करेंगे. फिल्म का टीजर और कई पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब आलिया भट्ट ने जिगरा के टीजर-ट्रेलर की डेट का एलान किया है. इसी के साथ फिल्म से आलिया भट्ट के पोस्टर भी सामने आए हैं. आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर फिल्म से पोस्टर शेयर कर लिखा है, दम है.... सत्य में दम है. जिगरा टीजर ट्रेलर 8 सितंबर को रिलीज होगा. पोस्टर की बात करें तो इसमें आलिया भट्ट के अंदाज से लग रहा है कि फिल्म में दमदार एक्शन भी देखने को मिल सकता है. पोस्टर में आलिया भट्ट स्ट्राइप शर्ट पहने इंटेंस लुक दे रही हैं, और पीछे एक

विशाल ड्रैगन दिख रहा है, ड्रैगन के बड़े और नुकीलें दात हैं, इस पोस्ट को देखकर लगता है कि आलिया फिल्म में बड़ी मशक्कत करने वाली हैं, पोस्टर से प्रतीत होता है कि यह इसमें बड़ा सस्पेंस दिखने वाला है. बता दें, वासन बाला ने इस फिल्म जिगरा को डायरेक्ट किया है. वहीं, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म बनी है, जिसके सह-निर्माता एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस है. फिल्ग आगामी 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. वहीं, इससे एक दिन पहले साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेट्टैयन रिलीज होने जा रही है. तमिल सुपरस्टार सूर्या की फिल्म पीरियड ड्रामा फिल्म जिगरा भी इस दिन रिलीज होने जा रही है, लेकिन अटकलों की मानें तो फिल्म की रिलीज डेट बदल चुकी है.

थमने वाली नहीं स्त्री 2, टूटा गदर 2 का रिकॉर्ड

श्रद्धा कपूर की फिल्म बनी देश की चौथी सबसे कमाऊ मूवी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर फिल्म 'स्त्री 2 ने सिनेमाघरो में खूब बवाल काटा है और कमाई के मामले में इतिहास रच दिया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'स्त्री 2 ने अपने पहले हफ्ते में 291.65 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 141.4 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे शुक्रवार फिल्म ने 8.5 करोड़, तीसरे शनिवार 16.5 करोड़ और तीसरे रविवार 22 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे मंडे फिल्म ने 6.75 करोड़, तीसरे मंगलवार 5.5 करोड और तीसरे बुधवार 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब मैडॉक फिल्म ने 'स्त्री 2के 22 दिनों की देश और दुनिया भर की कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं मैडॉक फिल्म्स के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के 22 दिनों में घरेलू बाजार में 526.43 करोड़ की कमाई कर ली है. वहीं 'स्त्री 2 ने रिलीज

के 22 दिनो में वर्ल्डवाइड 621 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. 'स्त्री 2 ने 22वें दिन इतिहास रच दिया और इस फिल्म ने सनी देओल की 'गदर 2 के लाइफटाइम कलेक्शन (525.7) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बल्कि 'स्त्री 2 ने 'गदर 2 से 1 करोड़ ज्यादा ही कलेक्शन कर लिया है. वहीं अब इस फिल्म के निशाने पर पठान का लाइफटाइम कलेक्शन (543.09) है. उम्मीद है की चौथे वीकेंड पर 'स्त्री 2 ये कारनामा कर भी देगी. बता दें कि 'स्त्री 2 दिनेश विजान के सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है. इसे अमर कौशिक ने निर्देशित किया है. फिल्म में राजकुमार और श्रद्धा कपूर पंकज त्रिपाठी, बनर्जी और खुराना भी अहम रोल में हैं.

के अलावा अभिषेक अपारशक्ति

वीडी 12 में किस भूमिका में दिखेंगे विजय देवरकोंडा? जानकर फैंस हो जाएंगे खुश

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी फिल्म वीडी 12 (अस्थाई नाम) को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता इन दिनों तेजी से फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही उनकी इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है। इस बीच वीडी 12 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में विजय पुलिस कॉन्स्टेबल की भूमिका

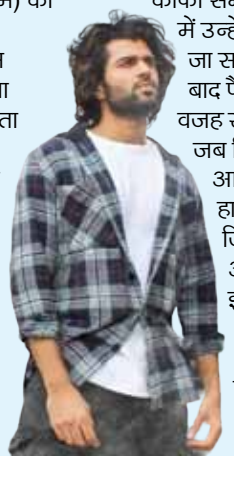

निभाते हुए नजर आने वाले हैं। पिछले काफी समय से यह चर्चा थी कि फिल्म में उन्हें पुलिसवाले के रूप में दिखाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के दावों के बाद फैंस काफी ज्यादा उत्साहित इस वजह से हैं, क्योंकि यह पहला मौका है जब विजय पुलिस की वर्दी में नजर आएंगे। फिल्म का पहला लुक हाल ही में जारी किया गया था, जिसने फैंस को उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है। विजय इन दिनों करियर के मुश्किल भरे दौर से गुजर रहे हैं। इस समय उन्हें एक हिट फिल्म की सख्त जरूरत है। इस फिल्म से अभिनेता को काफी ज्यादा

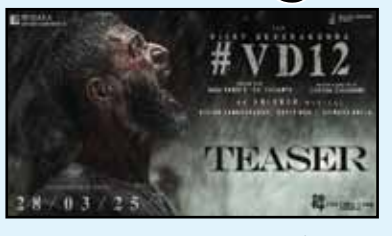

उम्मीदें हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में विजय द फैमिली स्टार नाम की फिल्म में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर भी थीं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म कमाल नहीं दिखा सकी थी। टिकट खिड़की पर इस फिल्म ने महज 22 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।